सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

रोहित शर्मा ने यो-यो टेस्ट में हासिल किए 19.4 अंक, कोहली का रिकॉर्ड टूटा -पेज: 7

नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक का पंजाबी फिल्म और टीवी पर राज -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 149 | शनिवार 06 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

किसी के दबाव में आए बगैर ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने के लिए कानून लाए: पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार ने देश के युवाओं के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किसी दबाव की परवाह न करते हुए ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने के लिए नया कानून बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों के साथ संवाद में कहा कि ऑनलाइन गेमिंग बाजार में रोजगार के बड़े अवसर हैं। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे छात्रों को इस क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों के बारे में जागरूक करें। उन्होंने हाल में संसद द्वारा पारित ऑनलाइन गेमिंग प्रोत्साहन एवं विनियमन अधिनियम, 2025 का उल्लेख करते हुए कहा, ह्यह्यगेमिंग बुरी नहीं है लेकिन जुआ बुरा है... हमारे युवाओं का भविष्य सुरक्षित रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर सही तरीके से काम किया जाए तो भारत वैश्विक ऑनलाइन गेमिंग बाजार पर अपना दबदबा बना सकता है, इसमें रोजगार के भी बड़े अवसर हैं। मोदी

मोदी ने कहा, कई स्टार्टअप इस दिशा में शानदार काम कर भी रहे हैं। अपने स्कूलों और कॉलेजों में भी आप इसे लेकर छात्रों को हर जानकारी देंगे, तो उनको एक अच्छा करियर विकल्प भी मिलेगा।

ने कहा, हमने एक नया ऑनलाइन गेमिंग कानून पेश किया है... सभी शिक्षकों को अब छात्रों को यह समझाना होगा कि गेमिंग और जुआ अलग-अलग हैं। हमने एक बड़ा फैसला लिया है और कई ताकतें नहीं चाहती थीं कि हम ऑनलाइन जुए पर प्रतिबंध लगाएं, लेकिन हमारी सरकार में युवाओं के भविष्य की रक्षा करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति और इरादा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ऐसे कई गेम हैं जिनसे छात्र प्रभावित हुए हैं, पैसे बर्बाद हो रहे थे, यहां तक कि गृहिणियां भी उन्हें आजमाने लगी थीं। नुकसान झेलने वाले लोग आत्महत्या करने के लिए प्रेरित हो रहे थे। यह एक लत की तरह हो गया था जो परिवारों को तबाह कर रहा था क्योंकि लोग इसमें फंस रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षक छात्रों को ऑनलाइन मनी गेम्स के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, ऑनलाइन गेमिंग को अब ओलंपिक में भी शामिल किया गया है। उस प्रतिभा का होना अलग बात है लेकिन इसे लत के स्तर तक पहुंचाना कुछ ऐसा है जिससे हर कीमत पर बचा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, यह जो कानून बना है, वो कानून अपनी जगह पर है लेकिन बच्चों को जागरूक करना, यह बहुत आवश्यक है। शिक्षक उसमें बहुत बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। हमने कानून तो बना दिया है और पहली बार हमने तय भी किया है कि बच्चों के सामने इस तरह का हानिकारक कंटेंट नहीं आएगा उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे इस संबंध में अपने विद्यार्थियों में जागरुकता जरूर पैदा करें। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि नौजवान, गेमिंग क्षेत्र में विश्व स्तर पर अपनी उपस्थिति बढ़ाएं। उन्होंने कहा, भारत में जो अपने कथा वार्ता हैं, उसके आधार पर बहुत सारे गेम्स बन सकती हैं, हम गेमिंग बाजार पर कब्जा कर सकते हैं। भारत में भी ऐसे अनेक प्राचीन खेल हैं, ऐसा कंटेंट है, जो ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया में धूम मचा के रहते हैं। मोदी ने कहा, कई स्टार्टअप इस दिशा में शानदार काम कर भी रहे हैं। अपने स्कूलों और कॉलेजों में भी आप इसे लेकर छात्रों को हर जानकारी देंगे, तो उनको एक अच्छा करियर विकल्प भी मिलेगा।

शिक्षक समाज के मार्गदर्शक और राष्ट्र के भविष्य के निमार्ता होते हैं : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर देशभर के शिक्षकों को शुभकामनाएं दी और कहा कि वे समाज के मार्गदर्शक और राष्ट्र के भविष्य के निमार्ता होते हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा, शिक्षक दिवस के अवसर पर, मैं देश के सभी शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। यह दिवस महान शिक्षाविद्, दार्शनिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती भी है, जो समस्त देश के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। उन्होंने कहा, शिक्षक हमारे समाज के मार्गदर्शक और हमारे राष्ट्र के भविष्य के निमार्ता होते हैं। अपने विवेक, ज्ञान और मूल्यों के माध्यम से, वे पीढ़ी दर पीढ़ी विद्यार्थियों में विचारों का पोषण करते हैं और उन्हें उत्कृष्टता एवं नवाचार के लिए प्रेरित करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत एक विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में अग्रसर है, ऐसे में जिम्मेदार, ज्ञानशील एवं दक्ष नागरिक बनाने में शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।उन्होंने कहा, आइए, हम सब मिलकर एक ऐसा अनुकूल वातावरण बनाएं जहां शिक्षकों का सम्मान हो और विद्यार्थियों में रचनात्मकता, करुणा एवं नवाचार का संचार हो।

जीएसटी के बाद अब एक और राहत देने का प्लान बना रही सरकार, ट्रंप टैरिफ की टेंशन से कारोबारी हो जाएंगे फ्री

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्र सरकार ने जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) में सुधार करने के बाद अब अमेरिका के नए टैरिफ से परेशान निर्यातकों के लिए राहत का ऐलान करने की तैयारी कर ली है। एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 50 फीसदी टैरिफ से प्रभावित कारोबारियों, खासकर टेक्सटाइल, रत्न और आभूषण जैसे सेक्टरों को सपोर्ट देने के लिए जल्द ही कई योजनाएं लाई जाएंगी। यह पैकेज छोटे निर्यातकों की मुश्किलें कम करने, नौकरियों को बचाने और नए बाजार तलाशने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार इस राहत पैकेज को कोविड-19 के दौरान एमएसएमई (लघु, छोटे और मझोले

उद्यमों) को दी गई मदद की तर्ज पर तैयार कर रही है। इसके साथ ही, बजट में घोषित एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन को भी तेजी से लागू करने की कोशिश हो रही है, ताकि भारत का वैश्विक व्यापार और मजबूत हो।

किन सेक्टरों को मिलेगी राहत?

अमेरिका ने हाल ही में भारत के सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, जिसमें से 25 फीसदी टैरिफ रूस से तेल खरीदने की पेनल्टी के तौर पर है। इस टैरिफ का असर टेक्सटाइल, रत्न और आभूषण, चमड़ा, जूते, रसायन, इंजीनियरिंग सामान, कृषि और समुद्री उत्पादों जैसे सेक्टरों पर पड़ा है। इन उद्योगों में निर्यातक अपनी प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए जूझ रहे हैं। सूत्रों का कहना

केंद्र सरकार जीएसटी में सुधार के बाद अब अमेरिकी टैरिफ से परेशान निर्यातकों को राहत देने की तैयारी में है। टेक्सटाइल रत्न और आभूषण जैसे सेक्टरों को सपोर्ट देने के लिए योजनाएं लाई जाएंगी।

है कि सरकार का फोकस छोटे निर्यातकों की नकदी की कमी को दूर करने, पूंजी की दिक्कतों को कम करने और नौकरियों को बचाने पर होगा। इसके अलावा, नए बाजारों की तलाश और उत्पादन को बिना रुकावट चलाने के लिए भी योजनाएं बन रही हैं। यह पैकेज न सिर्फ मौजूदा मुश्किलों को हल करेगा, बल्कि भविष्य में वैश्विक व्यापार में भारत की स्थिति को और मजबूत करने की कोशिश करेगा।

चीन पर सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा बयान, कहा- सीमा विवाद भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी): चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को चीन को भारत के लिए 'सबसे बड़ी चुनौती' बताया और कहा कि यह आगे भी बनी रहेगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए यह बात कही। सीडीएस ने पाकिस्तान द्वारा छेड़े जा रहे छद्म युद्ध को भारत के लिए 'दूसरी बड़ी चुनौती' बताया और कहा कि किसी भी देश के सामने चुनौतियाँ क्षणिक नहीं होतीं, बल्कि विभिन्न रूपों में मौजूद होती हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि चीन के साथ सीमा विवाद भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और आगे भी बनी रहेगी। दूसरी बड़ी चुनौती भारत के खिलाफ

पाकिस्तान का छद्म युद्ध है, जिसकी रणनीति 'भारत को हजार जख्मों से लहूलुहान करने' की है। जनरल चौहान ने क्षेत्रीय अस्थिरता को भी चिंता का विषय बताया और कहा कि भारत के सभी पड़ोसी देश सामाजिक, राजनीतिक या आर्थिक अशांति का सामना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक और चुनौती यह है कि युद्ध के क्षेत्र बदल गए हैं - अब इसमें साइबर और अंतरिक्ष भी शामिल हैं। जनरल चौहान ने कहा कि हमारे दोनों प्रतिद्वंद्वी परमाणु शक्ति संपन्न हैं, और यह तय करना हमेशा एक चुनौती बना रहेगा कि हम उनके खिलाफ किस तरह के अभियान चलाना चाहते हैं। अपने संबोधन में सीडीएस जनरल चौहान ने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों को लक्ष्य की योजना बनाने और चयन सहित पूरी तरह से संचालनात्मक स्वतंत्रता थी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य 'आतंकवादी हमले का बदला लेना' नहीं, बल्कि देश के धैर्य की सीमा तय करना था। उन्होंने कहा कि यह एक बहु-क्षेत्रीय अभियान था, जिसमें साइबर युद्ध भी शामिल था। सैन्य शाखाओं के बीच समन्वय और संयुक्त लामबंदी इसका एक महत्वपूर्ण पहलू था।

यूपी में शिक्षकों को कैशलेस इलाज की सुविधा, 9 लाख परिवारों को मिलेगा फायदा

लखनऊ (एजेंसी): पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती एवं 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने शिक्षकों का कैशलेस इलाज कराने का ऐलान किया है। लोक भवन में आयोजित सम्मान समारोह में उन्होंने घोषणा की कि अब सभी शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना का लाभ शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को भी मिलेगा। शिक्षामित्रों और अनुदेशकों का मानदेय भी बढ़ाया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री ने बताया कि एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। समिति की रिपोर्ट जल्द आने वाली है, जिसके बाद उनका मानदेय बढ़ा दिया जाएगा। शिक्षक दिवस पर एक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले 'बीमारू राज्य' के रूप में जाना जाने वाला उत्तर प्रदेश आज भारत के

विकास का इंजन बन रहा है... जो राज्य अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रहा था, आज उसकी एक मजबूत पहचान है और लोग इस पर गर्व महसूस करते हैं। आठ साल पहले सत्ता में वो कौन लोग थे जो राज्य के लिए कुछ नहीं कर सके? इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राधाकृष्णन के योगदान को याद करते हुए अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि मन को पोषित करने के प्रति शिक्षकों का समर्पण एक मजबूत और उज्जवल भविष्य की नींव है। आपको बता दें कि प्रदेश सरकार के इस फैसले से 9 लाख परिवारों को फायदा मिलेगा। कैशलेस स्कीम की सुविधा मिलने का मतलब ये है कि शिक्षक या उनके परिवार में किसी बीमारी के होने की स्थिति में अस्पताल में शुरूआती इलाज के लिए कैश की व्यवस्था की चिंता से मुक्त होना संभव हो पाएगा। इलाज के बाद बीमा के दायरे में अगर खर्च आया, तो जेब पर भार भी नहीं पड़ेगा।

जम्मू-कश्मीर: श्रीनगर के हजरतबल दरगाह में ईंट से तोड़ा गया अशोक चिन्ह, भाजपा ने बताया आतंकवादी हमला

नई दिल्ली (एजेंसी): जम्मू और कश्मीर वक्फ बोर्ड द्वारा असारी शरीफ हजरतबल दरगाह के पुनर्निर्माण और पुनर्विकास पर राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह को तोड़ दिया गया। हजरतबल दरगाह की आधारशिला पर राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह को क्षतिग्रस्त करने वाली भीड़ के वायरल वीडियो पर, भाजपा नेता और जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. दरख़्शां अंद्राबी ने कहा कि यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह को क्षतिग्रस्त करना एक आतंकवादी हमला है और हमलावर एक राजनीतिक दल के गुंडे हैं। इन लोगों ने पहले भी कश्मीर को बर्बाद किया और अब खुलेआम दरगाह शरीफ के अंदर घुस आए हैं। हमारे प्रशासक बाल-बाल बचे। भीड़ ने उन पर भी हमला किया... इस भीड़ ने राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह को क्षतिग्रस्त करके बहुत बड़ा अपराध किया है। उन्होंने दरगाह की गरिमा को ठेस पहुँचाई है और उनकी पहचान होते ही उन्हें आजीवन दरगाह में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और उनके

खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। अपने रुख की पुष्टि करते हुए, डॉ. अंद्राबी ने कहा कि हजरतबल के जीर्णोद्धार का उद्देश्य इसकी पवित्रता और जनता के विश्वास को बढ़ाना है। उन्होंने आगे कहा, "हम इस तरह की शर्मनाक हरकतों को अपने प्रयासों को पटरी से उतारने नहीं देंगे। दरगाहें इबादत और सम्मान की जगहें हैं, और किसी को भी यहाँ राजनीति करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता तनवीर सादिक ने कहा कि यह कदम तौहीद की मूल इस्लामी मान्यता के विपरीत है। एक्स पर एक पोस्ट में, सादिक ने कहा कि हालाँकि वह कोई धार्मिक विद्वान नहीं हैं, फिर भी इस्लाम मूर्ति पूजा की सख़्त मनाही

भीड़ ने उन पर भी हमला किया... इस भीड़ ने राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह को क्षतिग्रस्त करके बहुत बड़ा अपराध किया है। उन्होंने दरगाह की गरिमा को ठेस पहुँचाई है और उनकी पहचान होते ही उन्हें आजीवन दरगाह में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

करता है और इसे सबसे बड़ा पाप बताता है। उन्होंने लिखा, "हमारे ईमान की बुनियाद तौहीद है। उन्होंने तर्क दिया कि दरगाह के अंदर अशोक चिह्न, जिसे एक मूर्ति के रूप में वर्णित किया गया है, रखना इसी सिद्धांत के विरुद्ध है। सादिक ने आगे कहा, पवित्र स्थानों में केवल तौहीद की पवित्रता झलकनी चाहिए, और कुछ नहीं। दरगाह के आंतरिक भाग का नवीनीकरण और उद्घाटन बुधवार को किया गया।

पंजाब में बाढ़ का विकराल रूप! 43 लोगों की मौत, एएपी सांसद ने मदद के लिए दिए 5 करोड़, केंद्र से मांगा दस हजार करोड़ का राहत पैकेज

पंजाब (एजेंसी): आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने पंजाब के बाढ़ राहत कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपये देने का वादा किया है। इसके लिए उन्होंने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत आवंटित राशि और अपने निजी योगदान से धन जुटाया है। साहनी ने घोषणा की कि इस राशि का एक हिस्सा उन्नत बचाव नौकाओं, आधुनिक गाद निकालने वाली मशीनों और भविष्य में आने वाली आपदाओं से संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए तटबंधों के निर्माण पर खर्च किया जाएगा। अपने गैर-सरकारी संगठन, सन फाउंडेशन के माध्यम से, साहनी पहले ही मोटरबोट, एम्बुलेंस, सूखा राशन किट, चिकित्सा आपूर्ति, स्वच्छता सामग्री और पशुओं के चारे पर 1 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर चुके हैं। उन्होंने अगले बुवाई चक्र के लिए सीमांत किसानों को उर्वरक, बीज और कीटनाशक उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया। केंद्रीय सहायता का आग्रह करते हुए, साहनी ने 10,000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की मांग की, जिसमें फसल नुकसान का सामना कर रहे किसानों के लिए 50,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजे के साथ-साथ दिहाड़ी मजदूरों और पशुपालकों के लिए आर्थिक सहायता का प्रस्ताव रखा गया। भाखड़ा और पौंग बांधों में बढ़ते जलस्तर से खतरे की घंटी पंजाब में प्रशासन हाई अलर्ट पर है क्योंकि भाखड़ा बांध का जलस्तर 1,679 फीट तक पहुँच गया है, जो इसकी अधिकतम क्षमता से केवल एक फीट कम है। पानी का प्रवाह बढ़ने के साथ, रूपनगर प्रशासन ने सतलुज नदी के आसपास के निवासियों को अलर्ट जारी किया है और तुरंत सुरक्षित क्षेत्रों और राहत शिविरों में जाने का आग्रह किया है। पौंग बांध भी अपनी क्षमता से अधिक हो गया है, जहाँ जलप्रवाह 1.32 लाख क्यूसेक तक पहुँच गया है, जिससे बड़ी मात्रा में पानी छोड़ना पड़ा है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भाखड़ा से पानी का बहाव 80,000-85,000 क्यूसेक तक बढ़ सकता है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। मृतकों की संख्या 43 से ज्यादा हुई

पंजाब में जारी बाढ़ आपदा ने 14 ज़िलों में अब तक 43 लोगों की जान ले ली है, जबकि पठानकोट में तीन लोग लापता हैं। 1.71 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि पर खड़ी फसलें नष्ट हो गई हैं, जिससे राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था तबाह हो गई है। बाढ़ ने 23 ज़िलों के 1,902 गाँवों को जलमग्न कर दिया है, जिससे 3.84 लाख से ज्यादा निवासी प्रभावित हुए हैं। आपदा मोचन बलों और स्थानीय प्रशासन ने लगभग 21,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया है। पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़, 43 की मौत पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ में मरने वालों की संख्या बृहस्पतिवार को बढ़कर 43 हो गई, वहीं 1.71 लाख हेक्टेयर में लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया। चौहान ने इसे जल प्रलय की स्थिति बताते हुए किसानों को आश्वासन दिया कि केंद्र उन्हें इस संकट से उबारने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। चौहान ने अमृतसर, गुरदासपुर और कपूरथला जिलों के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और बाढ़ प्रभावित किसानों तथा अन्य लोगों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि बाढ़ से उत्पन्न स्थिति का आकलन करने के लिए दो केंद्रीय दल भी पंजाब का दौरा कर रहे हैं और बाद में ये दल केंद्र को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। बाढ़ से पंजाब, जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 110 किलोमीटर लंबी बाड़ पंजाब और जम्मू के अग्रिम इलाकों में बाढ़ के कारण भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा की 110 किलोमीटर से ज्यादा बाड़ क्षतिग्रस्त हो गई है और लगभग 90 बीएसएफ चौकियां जलमग्न हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अंतरराष्ट्रीय सीमा 2,289 किलोमीटर लंबी है, जो देश के पश्चिमी हिस्से में राजस्थान और गुजरात राज्यों से होकर भी गुजरती है। बीएसएफ जम्मू में लगभग 192 किलोमीटर और पंजाब में 553 किलोमीटर की पहरेदारी करता है। 90 बीएसएफ चौकियां क्षतिग्रस्त अधिकारियों ने बताया कि पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर लगी लगभग 80 किलोमीटर लंबी बाड़ और जम्मू में लगभग 30 किलोमीटर लंबी बाड़ बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है। इन जगहों पर लगी बाड़ या तो डूब गई है, उखड़ गई है या झुक गई है। बाढ़ से जम्मू में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की लगभग 20 और पंजाब में 65-67 चौकियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं या जलमग्न हो गई हैं। बीएसएफ की कई अग्रिम रक्षा चौकियां या ऊंचाई पर स्थित निगरानी चौकियां भी प्रभावित हुई हैं। एक अधिकारी ने बताया

संपादकीय

बढ़ती छटपटाहट

अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप अब कह रहे हैं कि भारत टैरिफ लगा कर हमें मार रहा है। एक रेड़ियो शो में उन्होंने कहा कि भारत, चीन और ब्राजील अपने ऊंचे टैरिफ से अमेरिका को मार रहे हैं। ट्रंप अपनी टैरिफ नीति को जंग सुलझाने वाले हथियार बता रहे हैं, परंतु बातचीत को बेहतरीन ताकत कहा। साथ ही, दावा किया उन्होंने सात जंगें रोकी हैं। अमेरिका को दुनिया की रीढ़ बताते हुए बाइडे़न प्रशासन की टैरिफ नीति की आलोचना भी की। रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिका ने २५ञ्च अतिरिक्त टैरिफ लगा कर इसे कुल 50प्र. कर दिया था, जिसे कम करने के संकेत बार-बार दिए जा रहे हैं। परंतु ट्रंप के मंत्रियों का कहना है कि रूस से तेल खरीद बंद करने के बाद अतिरिक्त टैरिफ खत्म किया जाएगा। जिस हार्ले-डेविड़सन मोटरसाइकिल की बात ट्रंप कर रहे हैं, उस पर अपने पिछले कार्यकाल में वह खुद काफी सख्त रवैया दिखा चुके हैं। फोर्ब्स के अनुसार इस कंपनी का मार्केट कैप इस वर्ष पौने तीन अरब ड़ॉलर था। चूंकि यह विशिष्ट और समृद्ध लोगों द्वारा प्रयोग की जाने वाली बाइक है, इसलिए भारत सरकार ने इस पर लगाए गए टैरिफ को कम करने पर कभी विचार ही नहीं किया। हालांकि अमेरिकी अदालत द्वारा अधिकांश टैरिफ को अवैध करार दिया गया और सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए अक्टूबर तक की मोहलत दी है। इसलिए घबराने या अफरा-तफरी की जरूरत नहीं। भारत दुनिया भर के लिए बड़ा बाजार है, जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ती जा रही है। इसलिए हर बड़ी कंपनी को यहां कारोबारी विस्तार में रुचि है। ऑस्ट्रेलिया, यूके, यूएई से लेकर यूरोपियन यूनियन, न्यूजीलैंड़ और ओमान के साथ समझौते हो चुके हैं, या बात आगे बढ़ रही है। बेशक, अमेरिका के साथ इस टैरिफ वॉर का देश के निर्यात और आर्थिक प्रगति पर असर पड़ने की आशंकाएं हैं क्योंकि सात लाख करोड़.रुपये का सामान भारत द्वारा वहां निर्यात किया जा रहा था, जो 50प्र. टैरिफ बर्दाश्त नहीं कर सकता। खुद को शांति दूत बताने का ट्रंप का दांव स्वातःसुखाय ज्यादा लगता है। जिन युद्धों को रोकने में वे मध्यस्थ की भूमिका निभाने का दावा कर रहे हैं, उसे लेकर दुनिया कायल नहीं नजर आती। शांति का नोबेल झटकने की उनकी रणनीति में भारत ही नहीं, चीन और रूस भी रोड़ा लग रहे हैं। इसलिए उनकी खीज स्वाभाविक कही जा सकती है जिस पर तवज्जो देने की जरूरत नहीं है।

चिंतन-मनन

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मों का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं।

इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है।

यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

आवश्यकता है
आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।
9456884327/8218179552

हर देश को अपनी रक्षा का अधिकार है और देश से बढ़कर कुछ नहीं है

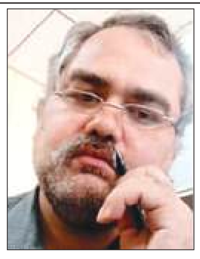
संजय गोस्वामी

रक्षा प्राचीन सभ्यता और श्रम संस्कृति दोनों में, श्रम का एक सामान्य रूप है, जिसमें से हम देख सकते हैं, जकन और हिंदू पूर्व, उपर्णशा। इनमें अधिकार शामिल हैं। हथियार सत्य, अहिंसा, आश्चर्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य होने चाहिए। यदि मृत्यु धर्म के कारण हो, तो वह अहिंसा है। जियो और जीने दो। भारत में सत्य और अहिंसा के संघर्ष में, श्री मोहनदास गांधी ने अपने सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को सीखा और अपने जीवन में सत्य और अहिंसा को अपनाकर 1947 में भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराया। आज के यज्ञावर्षण युग में, अहिंसा के पालन से ही, यह सृष्टि पृथ्वी पर विद्यमान है। अंततः इस दुनिया में दो विश्व युद्ध हुए हैं, जिनमें मानव जीवन और अत्यधिक हिंसा मुख्य कारण हैं। जौनपुर के शहर, जिनके शहर गंगा की बारिश से नष्ट हो गए थे और नवरंग, जिनके शहर गंगा की बारिश से नष्ट हो गए थे। आज, सर्वोच्च शक्ति या सर्वोच्च शक्ति जो भगवान की पहुंच से परे है, ने उन्नत देशों को अपनी सुरक्षा के लिए हथियारों का उपयोग करने के लिए मजबूर किया है। सेनाओं के बीच इस प्रतिस्पर्धा के कारण ही विश्व युद्ध होगा और पृथ्वी पर जीवन समाप्त हो जाएगा। इसलिए, आज दुनिया के सभी लोगों के लिए इस धरती पर दिव्य जीवन के लिए अहिंसक जीवन जीने की कला को अपनाना आवश्यक है। भले ही दुनिया के सभी विश्व परम अहिंसा के कारण पर जुटे हों, फिर भी हर साल विश्व स्तर पर सभी दुनिया अहिंसा के मार्ग पर एक दुनिया से दूसरी दुनिया में बदल गई है। केंद्र से केंद्र की ओर बढ़ने की आवश्यकता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है और इसलिए संयुक्त परामर्श होगा।आज चीन विक्ट्री पैरेड कर शांति को भंग करना चाहता है जिसमें विश्व के शक्तिशाली देशों का जमावाड़ा लगा माननीय प्रधानमंत्री जी को शंघाई शिखर सम्मलेन में जाना उचित था या नहीं ऐ देश के वीर जवानों के लहू से आप खुद समझ जायेंगे देश सर्वोपरि है सेना हमारी रक्षा करती है सियाचिन जैसे कठिन गलेशियर पर -30 से 40 डिग्री के तापमान पर भी देश की सीमा की रक्षा करते हैं टैरिफ ज्यादा हुआ अमेरिका से तो देश में संसाधनों की कमी नहीं है ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन की धरती पर कदम नहीं रखना चाहिए वहाँ पाकिस्तान, तुर्की भी था रूस के राष्ट्रपति पुतिन को भारत की चिंता होती तो भारत आते चीन नहीं जब 26/11/08 के हमले हुए तो यही सोच रहा था कि आतंकवादी से मुक्ति दिलाने वाला सही में वो सरकार नाकाम हुई और 2011 में वर्ल्ड कप में जब इंडिया में मैच देखने मोहाली में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह आए तो पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री की खातिरदारी हुई जो आतंक को पालता है लेकिन अब ऐसा लगने लगा है सभी राजनीती पार्टियों को देश से ज्यादा सत्ता की चिंता होती है ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान से नहीं आतंकवादी से युद्ध हुआ और पाकिस्तान की दोहरी नीति सामने आई आतंकवादी को पालना पोसना अतः युद्ध में कूद गया और पाकिस्तान को सबसे ज्यादा किसी ने मदद की है तो वो चीन ही है आप मजे से हैं तो ऐ मत सोचिये की ठीक हो रहा है जो सीमा पर डटे हैं उनसे जाकर पूछिए कितना कष्ट में जीवन यापन करते है खुद के लिए नहीं देश के लिए अतः ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब सेना के उप प्रमुख का बयान आता है कि हम तीन फ्रंट पाकिस्तान, चीन और तुर्की से भी लड़ रहें थे तो उनका जज्बा देखिए कभी किसी ने चीन से युद्ध के बारे में खुले तौर पर नहीं कहा लेकिन सेना ने भारत माता के लिए वो दर्द सहा है संघर्ष किया है भारत माता का मस्तिष्क गर्व से ऊँचा किया है हम देश के लिए जिए और देश के लिए मरे यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए अमेरिका के सामने एक छोटा सा देश वेनेजुअला ने अमेरिका को डरा दिया कम नहीं है वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज ने घोषणा की है कि कैरिबियन में वाशिंगटन की सैन्य उपस्थिति को लेकर बढ़ते तनाव के बीच, उनका देश संयुक्त राज्य अमेरिका के किसी भी हमले का सामना करने के लिए तैयार है।रविवार को सरकारी मीडिया पर प्रसारित उनकी यह टिप्पणी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा कार्टेल विरोधी अभियानों के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना बलों की तैनाती के बाद कराकस और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है भारत तो भगवान राम के आदर्शो पर चलने वाला देश है जहाँ देश ही सबकुछ है मान मयार्दा भी भारत माता के लिए है रविवार को सरकारी मीडिया पर प्रसारित उनकी यह टिप्पणी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा कार्टेल विरोधी अभियानों के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना बलों की तैनाती के बाद कराकस और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है भारत 140 करोड़ देश वासियो का देश हैं जो आप महाकुम्भ मेला में उसकी ताकत देख चुके होंगे अतः हम देश के स्वाभिमान के लिए मर मिटने के लिए तैयार हैं जो हमें गुरुगोविन्द सिंह ने सिखाई है कि सत कर्मन से कभी ना डरो इसलिए आज पूजे जाते हैं हर हिंदुस्तानी के दिल में बसते है क्योंकि कभी देश की शान को झुकने नहीं दिया और सारा परिवार शहीद होने के बाद भी अंत अंत तक देश में मानवता की रक्षा की.भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा हेतु खालसा पंथ भी बनाया ना तो कभी हारें और हाराना सिखया ऐ देश के प्रति सही शिक्षा हासिल करने से होगी आइये सब मिलकर शिक्षक दिवस पर देश प्रेम की शिक्षा प्राप्त करें क्योंकि जब देश बचेगा तभी हमारी संस्कृती बचेगी और हमारा वजूद रहेगा. भारत माता की रक्षा करना ही शिक्षा का मूल मन्त्र हो देश की सेवा के लिए शिक्षा जरुरी है इसलिए देश के वीर सैनिकों को नमन करता हूँ आज यूक्रेन पर भले ही चीन में सब उसका मजाक उड़ा ले लेकिन कभी इतिहास में ऐ भी दर्ज होगा जेलेस्की की बहादुरी और देश प्रेम की भावना जिससे ऐ तो मालूम होगा अपने देश की अखंडता और उसकी संप्रभुता की रक्षा हेतु जो किया वो सही था या गलत अतः देश ही सबकुछ है उसकी मिट्टी में ही जन्मे और मरे भी उसकी मिट्टी में और फिर जन्म भी अपनी मात्रभूमि में लिए.।

गुरुग्राम : जलभराव का जिम्मेदार कौन

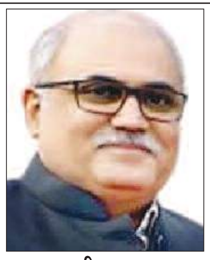
रजनीश कपूर

आज का गुरुग्राम, जिसे 'मिलेनियम सिटी' और ह्यसाइबर सिटी' जैसे गौरवशाली नामों से नवाजा जाता है, हर साल मानसून के आगमन के साथ जल में डूबे नरक में तब्दील हो जाता है। महज दो घंटे की बारिश शहर को घुटनों तक पानी में डुबो देती है। सड़कों पर घंटों लंबा ट्रैफिक जाम लग जाता है। करोड़ों रुपये की कीमत वाले आलीशान घरों में रहने वाले लोग बुनियादी सुविधाओं के अभाव में त्रस्त हो उठते हैं। यह विडंबना है कि एक ओर गुरु ग्राम भारत के सबसे महंगे रियल एस्टेट बाजारों में से एक है, जहां लोग भारी-भरकम टैक्स और किराए चुकाते हैं, वहीं सरकारी विभागों की लापरवाही और गैर-जिम्मेदारी के कारण यह शहर हर बारिश में डूब जाता है।

हाल में प्रसिद्ध लेखक और उद्यमी सुहेल सेठ ने एक सार्वजनिक मंच पर हरियाणा सरकार और स्थानीय प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने गुरु ग्राम की स्थिति को 'शर्मनाक' करार देते हुए कहा, 'गुरुग्राम खत्म हो चुका है। आप कल्पना भी नहीं कर सकते। इसकी शुरूआत पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने की और वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस स्थिति को संभाल नहीं पा रहे। बीजेपी को गंभीर आत्ममंथन की जरूरत है। वे 11 साल से इस राज्य को चला रहे हैं, अब नेहरू को दोष नहीं दे सकते।'

सुहेल सेठ ने अपनी एक अन्य टिप्पणी में कहा, 'क्या नालों की सफाई के लिए रॉकेट साइंस चाहिए? नहीं, बिल्कुल नहीं।' इस शहर का बुनियादी ढांचे के मामले में इतना पिछड़ा होना न केवल शर्मनाक है, बल्कि गंभीर प्रशासनिक विफलता को भी दशार्ता है। गुरुग्राम में जलभराव की समस्या कोई नई बात नहीं है। हर मानसून के दौरान शहर की सड़कें नदियों में बदल जाती हैं, और प्रमुख मार्ग जैसे गोल्फ कोर्स रोड, सोहना रोड, और दिल्ली-जयपुर हाईवे पर घंटों तक ट्रैफिक रेंगता रहता है। एक सितम्बर, 2025 को महज चार घंटे की बारिश में 100 मिमी. से अधिक वर्षा दर्ज की गई जिसने शहर को पूरी तरह ठप कर दिया। नेशनल हाईवे-48 पर 7 किमी. लंबा जाम लग गया। लोग घंटों तक सड़कों पर फंसे रहे। सोशल मीडिया पर निवासियों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए तस्वीरें और वीडियो साझा किए जिनमें गोल्फ कोर्स रोड जैसे पॉश इलाकों में गहरे पानी में डूबी गाड़ियां और फंसे हुए लोग दिखाई दिए।

गुरुग्राम में जन्मे और वहीं पर बसे सफल उद्यमी और समाजसेवी शरद गोयल ने हाल में एक चैनल में दिए इंटरव्यू में कहा, 'इस संकट का मूल कारण है शहर का अनियोजित शहरीकरण और सरकारी विभागों में आपसी तालमेल का अभाव। आज गुरुग्राम अनियंत्रित निर्माण और बुनियादी ढांचे की कमी का शिकार है। गुरु ग्राम की पुरानी भौगोलिक संरचना में कई प्राकृतिक जलाशय और नाले थे, जो बारिश के पानी को संचित करते थे। लेकिन तेजी से हुए निर्माण ने इन जल निकायों को नष्ट कर दिया।' वे आगे कहते हैं, 'जनता बारिश और जल भराव से त्रस्त होती है लेकिन जनप्रतिनिधि कभी भी ऐसे मौकों पर सड़क पर दिखाई नहीं देते। नेताओं को छोड़िए निगम के अधिकारी भी ईद का चांद बने हुए हैं, जो केवल अनियमितताओं के चलते ही हरकत में आते हैं। अपने गैर जिम्मेदाराना रवैये के लिए कभी भी जनता के बीच नहीं दिखाई देते। सरकारी विभागों के बीच जवाबदेही का अभाव समस्या को और गंभीर बनाता है। म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ऑफ गुरुग्राम (एमसीजी), हरियाणा अर्बन डवलपमेंट अथॉरिटी (हुडा) और गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डवलपमेंट अथॉरिटी (जीएमडीए) जैसे विभिन्न निकाय एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते हैं, लेकिन कोई भी पूर्ण रूप से समस्या का समाधान नहीं करता। गुरुग्राम हो या देश अन्य कोई शहर, सभी को इंदौर से सबक लेना चाहिए जहां के अधिकारी और जनता सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियां पूर्णतः निभाते हैं, और सुखी रहते हैं।'

समाधान के लिए दीर्घकालिक और टिकाऊ शहरी नियोजन की जरूरत है। प्राकृतिक जल निकायों के पुनर्जनन, आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कुओं का निर्माण और अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई जैसे कदम उठाए जाने चाहिए। सरकारी विभागों के बीच बेहतर तालमेल और जवाबदेही सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है। हर वो अधिकारी जो गुरुग्राम जैसे क्षेत्र में तैनाती पाने के लिए एड़ीझ्रचोटी का जोर लगाता है वो यहां आते ही काम करने से क्यों बचता है? यदि उस पर काम न करने पर तबादले की तलवार लटका दी जाए या कुछ आलसी अधिकारियों का तबादला कर दिया जाए तो इससे बाकी अधिकारियों के बीच सही संदेश जाएगा। गुरु ग्राम को 'मिलेनियम सिटी' का दर्जा बनाए रखने के लिए आलीशान इमारतें और कॉरपोरेट कार्यालय ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इसे ऐसा शहर बनाना होगा जो अपनी जनता को बुनियादी सुविधाएं और सम्मानजनक जीवन प्रदान कर सके। जब तक ये कदम नहीं उठाए जातेङ्क तब तक गुरोग्राम हर मानसून में डूबता रहेगा और निवासियों की निराशा बढ़ती रहेगी।

(लेख में विचार निजी हैं)

भारत का जीएसटी सुधार 2025 -टैक्स ढांचे का पुनर्निर्माण और वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम

वैश्विक स्तरपर भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले एक दशक में अनेकों उतार-चढ़ाव देखे हैं। वैश्वीकरण, अमेरिकी टैरिफ,तेल कीमतों की अनिश्चितता, महामारी के झटके और डिजिटल क्रांति के बीच भारतीय कर प्रणाली को समय- समय पर नए स्वरूप की आवश्यकता महसूस होती रही है। इसी कड़ी में 3-4 सितंबर 2025 को आयोजित जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक ऐतिहासिक साबित हुई,जब इसमें टैक्स स्लैब को पुनर्संरचित कर 12 पर्सेंट और 28 पर्सेंट की दरों को समाप्त कर दिया गया और सैकड़ों उत्पादों को 5 व 18 पर्सेंट टैक्स स्लैब में स्थानांतरित कर दिया गया। साथ ही अनेक आवश्यक वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डाल दिया गया,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि इससे गरीबों किसानों और मध्यम वर्ग के लिए जीवन यापन आसान होगा। यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से लागू होगा।

साथियों बात अगर हम जीएसटी क्या है?और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की करें तो,वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक ऐसा अप्रत्यक्ष कर है, जिसे 122वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत 1 जुलाई 2017 को पूरे देश में लागू किया गया। जीएसटी का मूल उद्देश्य देशभर में एक राष्ट्र,एक टैक्स की अवधारणा को साकार करना था। इससे पहले केंद्र और राज्य स्तरपर उत्पाद शुल्क, सेवा कर, वैट, एंट्री टैक्स और लगान जैसी अनेक परतों वाले कर प्रणाली लागू थे,जिससे व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को जटिलताओं का सामना करना पड़ता था। जीएसटी ने इन सबको समेटकर एक एकीकृत कर ढांचा दिया।आज की तारीख में दुनियाँ के 150 से अधिक देशों में इसी तरह का जीएसटी सिस्टम किसी-न-किसी रूप में लागू है। कनाडा,ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ के अधिकांश देश, मलेशिया, सिंगापुर और यहां तक कि ब्राजील जैसे बड़े देश भी जीएसटी आधारित कर व्यवस्था से जुड़े हुए हैं।भारत का नया सुधार इसलिए भीमहत्वपूर्ण है क्योंकि अब वह वैश्विक मानकों के अनुरूप टैक्स ढांचे को और सरल बना रहा है।

साथियों बात अगर हम नए ढांचे का स्वरूप, नए टैक्स स्लैब की करें तो, नए सुधार के बाद भारत में अब टैक्स ढांचा मुख्यतः तीन बड़े स्लैब पर केंद्रित हो गया है, 0 पर्सेंट 5 पर्सेंट और 18 पर्सेंट- 0 पर्सेंट स्लैब-गरीब और मध्यम वर्ग की जरूरतों से जुड़े खाद्यान्न, दालें, फल, सब्जियां, स्कूल किताबें, प्राथमिक शिक्षा सेवाएं और जीवनरक्षक दवाइयां इसमें शामिल हैं। यह स्लैब सीधे तौर पर समाज के कमजोर तबकों को राहत देने के लिए बनाया गया है।5 पर्सेंट स्लैब,इसमें रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं, कुछ डेयरी प्रोडक्ट्स, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं और छोटे व्यापार से संबंधित सामान आते हैं।18 पर्सेंट स्लैब- इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, बीमा,निर्माण कार्य,उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं,औद्योगिक उत्पादन, लक्जरी सामान और उच्च मूल्य के कंज्यूमर गुड्स शामिल हैं।12पर्सेंट और 28 पर्सेंट स्लैब हटाने से टैक्स ढांचा सरल हुआ है। पहले जहां चार से अधिक प्रमुख दरें थीं,अब यह तीन स्लैबों में सिमट गया है,जिससे न केवल व्यापारियों के लिए टैक्स अनुपालन आसान होगा बल्कि आम उपभोक्ता को भी स्पष्टता मिलेगी।

साथियों बातें अगर हम किन क्षेत्रों को मिलेगा लाभ? इसको समझने की करें तो,नए ढांचे के सबसे बड़े लाभार्थी वे क्षेत्र हैं जो प्रत्यक्ष रूप से गरीब, मध्यम वर्ग, उद्योग और सामाजिक जरूरतों से जुड़े हैं। (1)डेयरी प्रोडक्ट्स : दूध, पनीर, दही, घी और पोषण संबंधी उत्पादों पर टैक्स संरचना सरल होने से कीमतें स्थिर रहेंगी। इससे किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होगा। (2)बीमा क्षेत्र- स्वास्थ्य व जीवन बीमा पर बीमा प्रीमियम पर 0पर्सेंट टैक्स लागू होने से उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम लागत कम हो सकती है। इससे जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा और पेंशन योजनाओं में भागीदारी बढ़ेगी। (3)निर्माण और आवास-घर बनाने के लिए आवश्यक सीमेंट, स्टील, टाइल्स और सेवाओं पर कर भार कम होने से घर की लागत घटेगी। यह मध्यम वर्ग और रियल एस्टेट उद्योग दोनों के लिए लाभकारी है (4) इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र,मोबाइल, लैपटॉप और घरेलू उपकरणों की कीमतें स्थिर होने से डिजिटल इंडिया अभियान को गति मिलेगी। (5) मेडिकल और पोषण क्षेत्र :जीवन रक्षक दवाओं को 0% स्लैब और अन्य चिकित्सा उपकरणों को 5 पर्सेंट-18 पर्सेंट स्लैब में रखने से स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती होंगी।(6) एमएसएमई और बड़े उद्योग- सरल टैक्स स्लैब से छोटे और मझोले उद्योगों को अनुपालन लागत कम होगी, जबकि बड़े उद्योगों को उत्पादन और निर्यात बढ़ाने में बहुत विशाल सहूलियत होगी।

साथियों बात अगर हम जीएसटी रिफॉर्म करने का सरकार का मकसद और आम आदमी का फायदा होने की करें तो,जीएसटी सुधार का सबसे बड़ा मकसद है, (1) गरीबों और मध्यम वर्ग को राहत देना। नई दरों से- गरीब तबके को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब से सस्ते में भोजन और दवाइयां मिलेंगी, (2) घर बनाने वालों को कम खर्च आएगा,(3) बीमा सस्ता होगा, (4) स्वास्थ्य सेवाएं किफायती होंगी, (5) छोटे उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी,(6) और महंगाई का दबाव घटेगासरकार यह संदेश देना चाहती है कि टैक्स नीति सिर्फ राजस्व बढ़ाने का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक न्याय और सामाजिक सुरक्षा का भी सशक्त औजार है।

साथियों बात अगर हम टैक्स के स्लैब में परिवर्तन करने से करीब 85000 करोड़ का घाटा और भरपाई के उपायों को समझने की करें तो, सरकार का अनुमान है कि दरें घटाने और कई वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डालने से उसे लगभग 85,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो सकता है। लेकिन इसकी भरपाई के लिए बड़े उपाय किए गए हैं, 40 पर्सेंट स्लिप से रिकवरी-टैक्स अनुपालन बढ़ने, ई-इनवॉइसिंग और डिजिटल ट्रैकिंग से टैक्स चोरी में कमी आएगी और इससे राजस्व की बड़ी मात्रा में भरपाई होगी।

साथियों बात अगर हम अमेरिकी टैरिफ और भारत की रणनीति को समझने की करें तो, हाल के वर्षों में अमेरिका ने भारत सहित कई देशों के खिलाफ टैरिफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किए हैं। इस पृष्ठभूमि में जीएसटी सुधार भारत की आंतरिक ताकत को बढ़ाने का जरिया है। (1) सरल टैक्स ढांचा विदेशी निवेशकों को आकर्षित करेगा। (2) घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाएगा।(3)निर्यात लागत कम होने से अमेरिका और यूरोप के टैरिफ का दबाव कम महसूस होगा।यह सुधार संकेत देता है कि भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाना चाहता है।

साथियों बातें अगर हम जीएसटी सुधारो के पीछे संभव होता है राजनीतिक विमर्श,राहत या सियासत? की करें तो, जब 2017 में जीएसटी लागू हुआ था तब सरकार ने इसे 'वन नेशन, वन टैक्स' कहकर ऐतिहासिक बताया था और तर्क दिया था कि उच्च दरें राजस्व जुटाने के लिए जरूरी हैं। अब 2025 में दरें घटाने पर वही सरकार कह रही है कि, इससे उपभोक्ताओं को राहत और उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा। अब सवाल उठता है, क्या यह आर्थिक विवशता है या राजनीतिक रणनीति दरअसल, यह दोनों का मिश्रण है। वैश्विक मंदी, अमेरिकी दबाव और घरेलू महंगाई ने सरकार को दरें घटाने पर मजबूर किया। साथ ही, यह कदम गरीबों, मध्यम वर्ग और छोटे उद्योगों को चुनावी वर्ष में राहत देने की रणनीति भी हो सकता है।

साथियों बात अगर हम जीएसटी सुधारो को सामाजिक दृष्टिकोण, जैसे घर के बड़े समझाते हैं थ्योरी को समझने की करें तो, अगर इस सुधार को सामाजिक रूप से समझा जाए तो यह बिल्कुल वैसा है जैसे घर के बड़े सदस्य बच्चों को जीवन जीने का तरीका बताते हैं (1) 'भोजन और स्वास्थ्य सबसे पहले'-इसलिए खाद्यान्न और दवाइयां 0% स्लैब में।(2)'स्वास्थ्य का ध्यान रखो'- इसलिए मेडिकल और बीमा क्षेत्र सस्ता।(3)'घर बनाओ' -इसलिए कंस्ट्रक्शन सेक्टर को राहत।(4)'बच्चों की पढ़ाई जरूरी है'-इसलिए शिक्षा सेवाएं किफायती (5)'फालतू दिखावा मत करो'-इसलिए लक्जरी सामान पर टैक्स ऊंचा रखा गया।यह सुधार दशार्ता है कि सरकार टैक्स नीति को सिर्फ राजस्व का औजार नहीं, बल्कि समाज के कल्याण का ढांचा मानकर आगे बढ़ रही है।

साथियों बात अगर हम इन जीएसटी सुधारो को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के रूप में समझने की करें तो,विश्व अर्थव्यवस्था आज दो ध्रुवों में बंटी हुई है,अमेरिकी प्रभुत्व और एशियाई उभार। ऐसे समय में भारत का टैक्स सुधार एक सॉफ्ट पावर मॉडल के रूप में सामने आ रहा है।(1) यूरोप ने भी 2008 मंदी के बाद टैक्स स्लैब घटाकर अर्थव्यवस्था को स्थिर किया था। (2) चीन ने निवेश आकर्षित करने के लिए टैक्स दरें लचीली बनाई थीं।(3) भारत अब उसी राह पर चल रहा है।इससे भारत की छवि निवेश के लिए सुरक्षित और आकर्षक गंतव्य के रूप में मजबूत होगी।

उझारी में शान और शौकत के साथ निकाला गया जुलूस ए मुहम्मदी

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में ईद मिलादुन्नबी (हजरत मोहम्मद साहब का जन्मदिन) पर जुलूस ए मुहम्मदी शान और शौकत के साथ निकल गया। जुलूस में नारा ए तकबीर, लब्बैक या रसूल अल्लाह की सदाएं बुलंद हो रही थीं। शुक्रवार को जनपद अमरोहा के कस्बा उझारी के मोहल्ला कुरैशियान स्थित मदरसा बशीरुल उलूम से प्रातः 8:00 बजे मदरसे के प्रिंसिपल कारी आबिद अली रजवी के नेतृत्व में जुलूस मुहम्मदी प्रारंभ हुआ। यहां से यह जुलूस हुसैनी चौक पहुंचा, जहां पर अंजुमन गुलमान ए मुस्तफा, अंजुमन यंग गुलामान ए मुस्तफा, अंजुमन आशिकाने मुस्तफा, अंजुमन फिदायान ए मुस्तफा, अंजुमन नूर उन्नबी, अन्जुमन गुलामान ए गौसो रजा, अंजुमन गुलामान ए पंजेतन का जुलूस भी इस जुलूस में शामिल हो गया। यहां से यह जुलूस मोहल्ला कुरेशियान होता हुआ मोहल्ला पठानान पहुंचा, जहां पर अंजुमन गुलशन ए मदीना व मदीना मस्जिद का जुलूस भी इस जुलूस में शामिल हो गया। यहां से यह जुलूस मोहल्ला चांदनी चौक, भाटो वाला कुआं, मैन बाजार, मोहल्ला महल, टीपू चौक होता हुआ दरगाह हजरत शेख दाऊद बंदगी रह० में पहुंचा। वहां पर सलातो सलाम के बाद मुल्क और कौम की तरक्की के लिए दुआ कराई गई। लोगों को तबर्रुक तकसीम किया गया। इस मौके पर खास तौर से कारी आबिद अली, कारी फहीम रजा, मुफ्ती नाज़िर रजा, मुफ्ती अख्तर रजा, मौलाना आरिफ रजा, कारी मुरसलीन, हाफिज अफसर अली, कारी इरशाद, कारी शाकिर, मौलाना आसिफ रजा बाकरी, कांठ विधायक कमाल अख्तर, रहीमुद्दीन साबरी, अथर अहसान, चमन हैदर बाकरी, अलाउद्दीन सैफी, दिलशाद हुसैन, शाकिर मसऊदी, इरशाद सलमानी, मेराज अली, निजामुद्दीन सैफी, शहाबुद्दीन सैफी, डॉ० नदीम मलिक, नाजिम अलवी, आकिल मसऊदी, वसीम अल्वी, मौ० अजीम, शकील अल्वी, अनस कुरैशी, जावेद कुरेशी, बब्बन हुसैन, फहीमुद्दीन फहमी, कुंवर अदनान महल, बब्बी चौधरी, सूफी अनीस, वसीम कुरेशी, शकील ठेकेदार, डॉ० साहिल आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। जुलूस में खाना ए काबा, रोजा ए रसूल की शबीह विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं।

डॉ. सोरन सिंह ग्लोबल पंजाबी एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष बने

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- हिन्द की चादर कहे जाने वाले सिक्ख धर्म के नौवें गुरु श्री तेगबहादुर सिंह महाराज जी का शहीदी दिवस गुरुद्वारा श्री दशमेश पातशाह साहिब जी, अफजलपुर लूट (महमदी) मे मनाया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि/वक्ता-मा. डॉ सरदार इकबाल सिंह लालपुरिया (अध्यक्ष-राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग /सदस्य-केंद्रीय संसदीय बोर्ड, भाजपा) एवं अंतर्राष्ट्रीय संत/पंज भाई धरम सिंह जी के 13वें वंशज बाबा गुरप्रीत सिंह ने सिक्खों, सिक्ख गुरुओं और क्षेत्र में रहने वाले पाछाद्दे (जिनके पूर्वज पंजाब से आकर यहां बसे) उनके बारे में समाज एवं धर्म के क्षेत्र में योगदान पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. इकबाल सिंह लालपुरिया ने कहा की सिक्खों का बहुत पुराना इतिहास है। बहुत सारे सिख पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बसें हुए है। यहां पर पंजाबी शिक्षा की बहुत जरूरत है। उन्होंने डॉ. सोरन सिंह चौधरी को ग्लोबल पंजाबी एसोसिएशन का प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया। जिससे की यहां के लोगो को भी पंजाबीयत से जोड़ा जाये। इस मौके पर धनोरा विधायक राजीव तरारा ने भी सिख धर्म के बारे में बताया। इस मौके पर मुख्य रूप से सरदार जगजीत सिंह, डॉ. सौरन सिंह चौधरी, डॉ. शैली चौधरी, चमन सिंह, सरदार जोरावर सिंह, सरदार सुरेंद्र सिंह, सचिन चौधरी, सतेंद्र प्रधान, सौरभ, बचन सिंह, सुखवीर सिंह, मुकुल चौधरी, उपेंद्र शर्मा, पंकज चौहान व लाखों की तादाद में लोग मौजूद रहे।

महिला कल्याण विभाग द्वारा बाल श्रम को रोकने के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):- महिला कल्याण विभाग द्वारा संकल्पः हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन योजना के अंतर्गत 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेशों के अनुपालन में तथा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह के दिशा निदेर्शानुसार शुक्रवार को पीलाकुण्ड ब्लॉक अमरोहा, में वूमेन' सेफ्टी एट वर्कप्लेसविषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ललिता रानी, जेण्डर विशेषज्ञ द्वारा बताया गया कि आज कल कि महिलाऐ अपने निर्णय लेने में सशक्त होने लगी है। इसके लिए हर महिलाओं/बालिकाओं को अपने अधिकारों के बारे में जानकारी होना

और शिक्षित होना बहुत जरूरी है। जिससे अपने ऊपर होने वाले हिंसा या उत्पीड़न का डट कर सामना कर सकती है। उनके द्वारा यह भी कहा गया महिलाओं को आत्मनिर्भर और जागरूक बनना महत्वपूर्ण है, जिसमें सेल्फ-डिफेंस तकनीक सीखना, सुरक्षा ऐप्स और गैजेट्स का उपयोग करना, अनजान जगहों पर अपनी लोकेशन शेयर करना, सुनसान रास्तों से बचना।। इसके अलावा, समाज में बदलाव और महिलाओं के प्रति सम्मानजनक दृष्टिकोण अपनाना भी महिला सुरक्षा के लिए जरूरी है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला जिसमे योजना की बढ़ाई गई धनराशि के बारे मे एवं स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित पेंशन योजना एवं वन स्टाप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं वहां प्राप्त होने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ में 18 वर्ष से कम उम्र के बालक व बालिकाओं के साथ हों रही यौन हिंसा से बचने व उनकी शिकायत करने एवं अपनी बात खुलकर रखने के बारे में जानकारी दी गई और उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 1090, 112, 1076 की जानकारी भी प्रदान की गई। दहेज प्रथा को समाप्त करने, ,बाल श्रम को रोकने के लिए सभी को जागरूक किया गया। वह सुविधा दे। इस अवसर पर, प्राधानाचार्य, हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन (HEW) के कार्मिक ललिता रानी, जेण्डर विशेषज्ञ एवं सखी वन स्टॉप सेन्टर की स्वाति सिंह, केस वर्कर ,एवं नरेन्द्र पाल आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने शिक्षक दिवस पर जिले के 30 शिक्षकों को किया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले कलेक्ट्रेट सभागार अमरोहा में आज शिक्षक दिवस के अवसर पर जनपद स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लखनऊ से आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उद्बोधन का सीधा प्रसारण भी सभी उपस्थित जनों ने देखा। जनपद स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप मे हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खडवंशी जी उपस्थित रहे । कार्यक्रम में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. मोनिका सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं शिक्षा विभाग के अधिकारीगण शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा विभाग के 30 शिक्षकों से अधिक को सम्मानित किया गया। इन शिक्षकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए और उनके अभिनव कार्यों की सराहना की गई। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में मृदालिनी सिंह, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय गजरौला की वार्डन मीनाक्षी को सम्मानित किया गया। इनके अतिरिक्त कई अन्य शिक्षकों को भी नवाचार, नामांकन वृद्धि एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि हसनपुर विधायक ने कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि समाज को दिशा भी प्रदान करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे बच्चों को नैतिकता, अनुशासन और नवाचार के मार्ग पर अग्रसर करें। शिक्षा ही राष्ट्र की रीढ़ है और शिक्षक ही इसके सच्चे निमार्ता हैं। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन संभव है। उन्होंने जनपद अमरोहा के बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे नित नए कार्यों की सराहना की। उन्होने उपस्थित सभी शिक्षकों को उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों के लिए उनकी प्रशंसा की और शिक्षक दिवस की बधाई दी। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक लगातार नवाचार कर रहे हैं और यही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नींव है। कहा कि शिक्षा विभाग के शिक्षक भी डिजिटल युग की चुनौतियों को अवसर में बदल रहे हैं। समारोह का समापन उपस्थित अधिकारियों द्वारा सम्मानित शिक्षकों को शुभकामनाएँ प्रदान करने के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन मृदालिनी एवं सईद रजा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक मनोज कुमार, मनीष अरोड़ा, मुकेश कुमार, पंकज कुमार ,विपिन कुमार सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं को यौन एवं रिप्रोडक्टिव हेल्थ के बारे में दी जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन के अंतर्गत सितंबर माह में 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित लिए जाने के संबंध में निदेशालय महिला कल्याण उत्तर प्रदेश लखनऊ से प्राप्त निर्देशन के अनुपालन 10 दिवसीय कार्यक्रम की श्रृंखला में अमरोहा में वन स्टॉप सेंटर की टीम द्वारा ,आज चौथे दिन , थीम sexual and reproductive health के अंतर्गत जिला अस्पताल का भ्रमण किया गया एवं वहां पर उपस्थित आम जनमानस मुख्यतः किशोरियों एवं महिलाओं को यौन एवं रिप्रोडक्टिव हेल्थ के बारे में जानकारी दी और महिलाओं को मासिक धर्म समस्या एवं उससे होने वाले बीमारियों के बारे में जागरूक किया' यह भी बताया कि मासिक धर्म के दौरान किस प्रकार से हमें हाइजीन का ध्यान रखना है एवं अपनी रूढ़िवादी सोच को खत्म करना है' मासिक धर्म एक बीमारी नहीं है यह भी बताया गया इसके साथ ही महिला कल्याण विभाग की तरफ से चलाई जा रही समस्त विभागीय योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना, स्पांसरशिप योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, वन स्टॉप सेंटर , आदि का प्रचार प्रसार कर सभी को जागरूक किया गया । भारत सरकार द्वारा संचालित समस्त टोल फ्री नंबर हेल्पलाइन नंबर जैसे 112,181,1076 ,1090 इत्यादि के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई उक्त कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की पैरामेडिकल नर्स अनुराधा भारती, केस वर्कर स्वाति सिंह एवं अस्पताल का स्टाफ उपस्थित रहा ।

हाईवे पर ओवर स्पीड के खिलाफ चला अभियान, कई वाहन चालकों पर की गई कार्रवाई

अमरोहा(सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में प्रभारी यातायात द्वारा हाईवे पर विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं को ध्यान में रखते हुए तेज रफ्तार (ओवर स्पीड) वाहनों पर नियंत्रण और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित किया गया। अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने हाईवे पर तेज रफ्तार से चल रहे वाहनों के चालान किए तेज

गति ही सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण है, जिससे न सिर्फ वाहन चालक बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ती है अभियान के अंतर्गत कुल 212 वाहनों के चालान ओवर स्पीड 101, बिना हेलमेट 60 नो पार्किंग 12 तीन सवारी 8 सीट बेल्ट 5 बिना बिना प्रदूषण 5 गलत दिशा 8 ड्राइविंग लाइसेंस ऑन डिमांड 7 अन्य यातायात नियमों का पालन न करने वाले 6 वाहनों के चालान किए गए प्रभारी यातायात ने बताया कि सड़क सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है। ओवर स्पीडिंग पर लगाम कसने ओर नो हेलमेट नो फ्यूल के लिए आगे भी ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे।

भारी वर्षा होने के बाद भी जुलूस में शामिल लोगों में दिखा उत्साह

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना) जावेद चौधरी:- ईद मिलादुन्नबी का जुलूस बहुत ही खुशहाली के साथ निकाला गया। जुलूस का आगाज शाह विलायत साह की दरगाह से प्रारंभ हुआ और हजरत खान जादा साहब की दरगाह पर समाप्त हुआ। ईद मिलादुन्नबी का जुलूस पुराने डाकखाना मार्ग से होते हुए खंकर वाला कुआँ, लाल बाग, हिरन वाला मोहल्ला, संभल बस स्टैंड, कायस्थान, काला शहीद के रास्तों से होकर गुजरा। जगह-जगह लोगों ने जुलूस में शामिल लोगों का स्वागत किया, और एक दूसरे को मुबारकबाद दी। भारी वर्षा होने के बावजूद भी लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ। लोगों ने अपनी अपनी हैसियत के हिसाब से जगह जगह खाने और पानी और शरबत, जूस, कोल्ड्रिंक्स का प्रबंध किया। इस दौरान एक दूसरे पर पुष्पर्षा भी की गई। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा कड़ी निगरानी रही और पुलिस स्टाफ मुस्तैद रहा। इस अवसर पर जावेद चौधरी (पत्रकार), अंसार अहमद, जेनूल आबेदीन, बाबर व राजा खान, अकील पहलवान, शहजाद खान 86 बीड़ी वाले, बदर कुरैशी, तालिब खान मेंबर, सलीम खान, इंजीनियर इकतेदार खान (समाजसेवी) व लाखों की तादाद में लोग मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस के अवसर पर माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों को किया गया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में शिक्षक दिवस के अवसर पर माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज अमरोहा के सभागार में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शिक्षक सम्मान समारोह का विधिवत्त शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने मां सरस्वती के चित्र एवं डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया । इस अवसर पर शर्मा देवी कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना स्वागत गीत एवं शिक्षक दिवस के संबंध में लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया। मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा द्वारा माध्यमिक शिक्षा विभाग जनपद अमरोहा से शैक्षिक सत्र 202425 में सेवानिवृत हुए प्रधानाचार्य एवं शिक्षक दिनेश कुमार चिकारा, सुमन लता,

रोहिताश कुमार चौहान, काले सिंह, इफ्तेखार अंसारी, एजाज हसन, सतपाल सिंह, जय शंकर सिंह, जितेंद्र सिंह, मुश्ताक अहमद, शीशपाल सिंह आदि को पुष्पमाला, अंगवस्त्र स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया । समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने भारत रत्न डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षक कवि रिटायर नहीं होता। वे अपने सेवाकाल के बाद नई पारी की शुरूआत करते हैं। आज के माहौल में शिक्षक की मयार्दा एवं उनके आदर्शों पर चिंतन करने की आवश्यकता है, आवश्यकता है शिक्षक समाज अपने मूल्यों को प्रतिस्थापित करें। विद्यार्थियों के अंतर्मन में जाकर उनके अंदर छुपी हुई प्रतिभा को निखार कर उच्च शिखर पर पहुंचाएं। यही शिक्षक दिवस के अवसर पर सबसे बड़ा संकल्प होगा। समारोह को संबोधित करते हुए डॉ0 प्रवेश कुमार जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा ने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण होता है उसी के जीवन मूल्य एवं मयार्दाओं से समाज प्रतिस्थापित होता है । उन्होंने कहा कि आज शिक्षकों को अपनी खोई हुई मयार्दा को पुनः स्थापित करने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचान कर उन्हें उसी क्षेत्र में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। शिक्षक सम्मान समारोह को ललित कुमार प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा डॉ0 जी0पी0 सिंह ने संबोधित किया। शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम का संचालन मदनपाल सिंह जिला समन्वयक समग्र शिक्षा माध्यमिक ने किया। अवसर पर सी0पी0 सिंह प्रधानाचार्य कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज अमरोहा जयपाल सिंह, वीरेंद्र गुप्ता, पवन कुमार त्यागी, धर्म सिंह, संजीव कुमार, विजयपाल सिंह अनिल कुमार डी0 पी0 अग्रवाल ऋषिपाल सिंह, स्नेह लता पूनम रानी वर्मा चारू शर्मा आदि उपस्थित रहे।

शिवपुराण कथा के श्रवण से मिलता है पुण्य, पंडित नवीन शास्त्री नौटियाल

अमरोहा (सब का सपना):- शहर में प्राचीन रियासत मंदिर में शिवपुराण कथा के छठे दिन पंडित नवीन शास्त्री नौटियाल जी ने त्रिपुरासुर वध, जलन्धर वध, महिषासुर वध की कथा सुनाई नवीन शास्त्री नौटियाल ने बताया कि भगवान शिव की तीसरी आंख से उत्पन्न शक्तिशाली असुर जालंधर ने अपनी शक्ति के अहंकार में देवताओं पर आक्रमण किया और तीनों लोकों पर राज्य करने की इच्छा रखी, लेकिन उसकी पत्नी वृंदा के पतिव्रत धर्म के कारण कोई भी उसका वध नहीं कर पा रहा था। तब भगवान विष्णु ने जालंधर का रूप धारण कर वृंदा के पास पहुंचकर उसका पतिव्रत धर्म भंग कर दिया, जिससे जालंधर की शक्ति क्षीण हो गई और भगवान शिव ने त्रिशूल से उसका वध कर दिया। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की

भीड़ उमड़ी। कथा वाचक नवीन शास्त्री नौटियाल ने भगवान शिव की महिमा का बखान करते हुए कहा कि श्रावण मास में शिवपुराण की कथा का श्रवण से बड़ा पुण्य मिलता है । एक लोटा जल सारी समस्या का हल। उन्होंने कहा कि भगवान शिव को एक लोटा जल अर्पित करने से वे प्रसन्न हो जाते हैं और सभी समस्याओं का निदान कर देते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में अगर स्त्री और मिस्त्री दोनों अच्छे हों तो मिस्त्री अच्छे मकान बनाकर देगा। वहीं अगर स्त्री अच्छी हो तो अपने परिवार कुटुंब को अच्छा बना देती है। जीवन में इन दोनों का अच्छा मिल जाने से जीवन सार्थक होता है। उन्होंने सनातन धर्म की रक्षा के लिए एकजुट होना जरूरी बताया। गजासुर राक्षस के बारे में बताया कि गजासुर

एक शक्तिशाली राक्षस था जिसका स्वरूप हाथी जैसा था. उसने कठोर तपस्या कर ब्रह्माजी से यह वरदान प्राप्त किया कि न कोई देवता, न मानव और न ही कोई राक्षस उसे मार सके, और उसका शरीर इतना अभेद्य हो कि कोई हथियार उसे भेद न पाए. वरदान मिलने के बाद गजासुर अत्यंत अहंकारी और अत्याचारी बन गया। उसके कदमों से धरती कांप उठती थी, नदी में उतरते ही बाढ़ आ जाती थी, और पर्वतों से टकराकर वे चूर-चूर हो जाते थे. तीनों लोकों में उसका आतंक फैलने लगा. शक्ति के अहंकार में उसने शिव भक्तों को सताना शुरू कर दिया और शिव मंदिरों का अपमान करने लगा.जब गजासुर का अत्याचार असहनीय हो गया, तो देवताओं ने भगवान शिव से सहायता मांगी. शिवजी ने गजासुर को युद्ध के लिए ललकारा. युद्ध के दौरान गजासुर ने अपनी मायावी शक्तियों का पूरा प्रयोग किया, लेकिन भगवान शिव ने अंततः उसे परास्त कर दिया। मृत्यु से पहले गजासुर ने एक अंतिम इच्छा प्रकट की- वह चाहता था कि उसका सिर सदैव भगवान शिव के साथ रहे. शिवजी ने उसकी इच्छा स्वीकार की, उसका सिर काटकर अपने गले में धारण कर लिया. तभी से वे गजाधर के नाम से भी जाने जाते हैं, जिसका अर्थ है ‍गज का आभूषण पहनने वाले.‍ इस मौके पर राजीव दिल्ली वाले, रमेश चंद्र गुप्ता, दीपक बंसल, मुक्ता अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, प्रतिभा खंडेलवाल नीरज अग्रवाल सौरभ अग्रवाल अशोक अग्रवाल अलका बाष्णय, गौरव वर्मा, करूणेश गोयल, कमल कपूर, सुनीता खंडेलवाल, प्रियंका खंडेलवाल आदि मौजूद रहे।

थाना कुढ़ फतेहगढ़ पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त किया गिरफ्तार

फतेहगढ़/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में राकेश पुत्र स्वर्गीय विजेंद्र सिंह निवासी ग्राम भगतपुर मिर्जा ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि मेरी पत्नी को गलत इंजेक्शन लगाने से उसकी मृत्यु हो गई है । पुलिस ने शिकायती पत्र लेकर मामले की जांच शुरू कर दी पुलिस की जांच में आरोप सही पाया गया। इसी आधार पर पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर लिया और आरोपी की तलाश शुरू करदी पुलिस ने कड़ी मशक्कत करने के बाद 5 सितंबर को इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट में वांछित चल रहे आरोपी विजयपाल पुत्र निरंजन सिंह यादव निवासी ग्राम विचैटा थाना कुढ़फतेहगढ़ जनपद संभल को लालपुर चेंचरी से भगतपुर मिर्जा रोड से गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह कांस्टेबल मनोज कुमार शामिल रहे गिरफ्तार आरोपी पर नियम अनुसार कार्यवाही की जा रही है।

शानो शौकत के साथ निकाला गया ईद मिलादुन्नबी का जुलूस

सिरसी/संभल(सब का सपना):- दारुल उलूम इस्लामिया इस्लाहुलकौम सिरसी के तत्वाधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जुलूसे मोहम्मदी पूरी शानो शौकत से निकाला गया। जुलूस का आगाज कारी गुलाम यजदानी ने तिलावते कुरआने करीम से किया शायरे इस्लाम हाजी गुलाम रब्बानी ने अपने दिलकाश अंदाज में नातिया अश्आर से माहौल को नूरानी बना दिया इसके बाद उस्मान हारूनी ने भी नाते पाक के अशआर पेश किए जुलूस को खिताब करते हुये मौलाना मकबूल नईमी मुरादाबादी ने कहा कि अल्लाह के रसूल की हदीस है कि जो व्यक्ति दूसरों पर दया नहीं करता, उस पर अल्लाह भी दया नहीं करता उन्होंने इसी संबंध में इस बात पर भी जोर दिया कि यह दिन पैगंबर मुहम्मद (अल्लाह के रसूल) के जीवन, उनकी शिक्षाओं और उनके द्वारा दिए गए प्रेम और शांति के संदेश को याद करने के लिए समर्पित है। इस दिन का उद्देश्य मुसलमानों को एकता, भाईचारे और आध्यात्मिकता की भावना से जोड़ना है, ताकि वे पैगंबर के आदर्शों को अपने जीवन में अपना सकें और साथ ही ये दिन देश प्रेम के लिए भी प्रेरित करता है क्यूँ

के अल्लाह के रसूल ने फरमाया कि अपने देश से प्रेम करना ईमान का हिस्सा है जश्न-ए-ईद-मिलाद-उन-नबी के अवसर पर, नगर पंचायत सिरसी में विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों द्वारा कई कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया जिसमें पैगंबर की जीवनी पर आधारित भाषण और प्रवचन. शामिल हैं इधर सजावट और रोशनी से पूरा नगर सुसज्जित रहा घरों, मस्जिदों और सार्वजनिक स्थानों को भी सजाया गया जुलूस की कमेटी ने जरूरतमंदों की मदद के लिए विभिन्न सामाजिक गतिविधियां आयोजित करने का निर्णय लिया है साथ ही समुदाय की एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के प्रतीक के रूप में जुलूस निकालने का आह्वान किया जुलूस से पहले मीटिंग में कमेटी द्वारा अपील की गयी थी की हम सभी नागरिकों से, विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय से, इस पवित्र दिन को शांति, सद्भाव और एकता के साथ मनाने का आग्रह करते हैं. पैगंबर मुहम्मद की शिक्षाओं को अपने हृदय में उतारने और उनके प्रेम और शांति के संदेश को फैलाने का यह एक सुंदर अवसर है। प्रशासन ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष व्यवस्था की है, ताकि सभी नागरिक बिना किसी बाधा के इस पर्व का आनंद ले सकें. जुलूस का कुशल संचालन कारी आंसर उल हक ने किया अंत में धर्मगुरु आलम रजा खान नूरी ने मुल्क और कौम की सलामती के लिए दुआ कराई साथ ही यह भी कहा की जुलूसे मोहम्मदी हिंदुस्तानी गंगा जमुना तहजीब की बड़ी मिसाल है इसमें सभी धर्म के लोग हिस्सा लेते हैं और जुलूस की शोभा बढ़ाते हैं ।

इस अवसर पर मोहम्मद वसीम पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत, डॉ शाकिर हुसैन ,इस्लाही रियाजुद्दीन सैफी, मकबूल अंसारी, हाजी सादिक, हाजी तस्लीम ,खुर्शीद मेंबर, हाफि ज हबीब ,हाफि ज हम्जा अली, दिलशाद कुरैशी, इरफान सैफी, हाजी अब्दुल सत्तार ,हाजी मुशाहिद, फार्मूद खान, शाहिद खान, हाजी अशफाक अंसारी ,रिजवान कुरैशी, सालिम कुरैशी ,आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मोहल्ला गिन्नौरी में कुरेश कॉन्फ्रेंस की जानिब से डॉक्टर इफ्तिखार अहमद कुरेशी के सामने ग्रीन पार्क में तबरूक तकसीम किया गया। पुलिस प्रशासन ने सहयोग किया। जुलुस शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

बहजोई में अकीदत के साथ निकला ईद मिलादुन्नबी का जुलूस

बहजोई/संभल(सब का सपना):- बहजोई में अकीदत के साथ निकला ईद मिलादुन्नबी का जुलूस पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर बहजोई में ईद मिलादुन्नबी का पर्व जोश और अकीदत के साथ मनाया गया। मोहल्ला कुरेशियान, चितौरा रोड, टंकी वाली मस्जिद से शुरू हुआ जुलूस-ए-मोहम्मदी शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरा। हजारों लोग हरे झंडों और इस्लामी बैनरों के साथ शामिल हुए, नात-ए-पैगंबर और धार्मिक नारे लगाते हुए अपनी श्रद्धा व्यक्त की। मस्जिदों और गलियों को झालरों व फूलों से सजाया गया। जुलूस में शरबत और मिठाई बांटी गई, जिसने भाईचारे का संदेश दिया। पुलिस ने पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए, जिससे जुलूस शांतिपूर्ण रहा। कई जगह तकरीरें हुईं, जहां पैगंबर की शिक्षाओं पर जोर दिया गया। जुलूस के बाद लंगर का आयोजन हुआ, जिसमें सभी समुदाय के लोग शामिल हुए। इस बार जश्न-ए-मिलाद होने से उत्साह और भी खास रहा। आयोजकों ने शांति और पवित्रता बनाए रखने पर जोर दिया। यह जुलूस बहजोई में धार्मिक उत्साह और एकता का प्रतीक बना।

फ्लैश वालेट लोन ऐप के मध्यम से लोन के नाम पर रंगदारी मांगने में पांच गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई और अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी दीपक कुमार के नेतृत्व में थाना रजपुरा पुलिस ने रंगदारी मांगने वाले गिरोह के पांच सदस्यों–बाबू यादव उर्फ कल्लू, दिनेश, अभिषेक राघव, मोहित शर्मा और नितुल को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 6 मोबाइल फोन और 2500 रुपये नगद बरामद हुए। बाबू यादव के फोन में अश्लील फोटो और व्हाट्सएप चैट मिले, जिनका इस्तेमाल रंगदारी के लिए किया जाता था। 1 सितंबर को शिकायतकर्ता

शिवांश गौड़ की शिकायत पर मुकदमा दर्ज हुआ था, जिसमें फर्जी लोन ऐप 'फ्लैश वालेट' के जरिए धोखाधड़ी, अश्लील फोटो भेजकर बदनाम करने और 50,000 रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप था। पुलिस जांच में पता चला कि अभियुक्त फर्जी ऐप के जरिए लोगों के फोटो और कॉन्टैक्ट चुराकर पिक्सआर्ट से अश्लील फोटो बनाते थे और ब्लैकमेल कर पैसे वसूलते थे। अभियुक्तों के बैंक खातों की जांच में एनसीआरपी पोर्टल पर 1.71 करोड़ रुपये के फ्रॉड की चार शिकायतें मिलीं। यह गिरोह वेस्ट बंगाल, कर्नाटक, राजस्थान और तेलंगाना में 2 करोड़ रुपये से अधिक का फ्रॉड कर चुका है। सभी अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अनवेरिफाइड ऐप डाउनलोड न करें और ऐप रिव्यू जांचें। फ्रॉड होने पर डरें नहीं, पैसे ट्रांसफर न करें और तुरंत नजदीकी थाने, 1930 पर कॉल या www. cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।

लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

हापुड़ (सब का सपना):- जिला प्रोबेशन अधिकारी स्मिता सिंह, के नेतृत्व में बीते गुरुवार को इंद्रप्रस्थ इंस्टिट्यूट ऑफ एजूकेशन एंड मैनेजमेंट गढ़ रोड हापुड़ में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में लैंगिक समानता और लैंगिक भेदभाव को खत्म करने की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया गया। इसमें बताया गया कि समानता को बढ़ावा देने के लिए सेक्स और लिंग के बीच अंतर, लिंग संबंधी भूमिकाएं, रूढ़िवादिता, भेदभाव और पितृसत्ता जैसी अवधारणाओं को समझना आवश्यक है। इसके अलावा, महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। जिनमें शामिल हैं। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) - बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना - स्पॉन्सरशिप योजना। निराश्रित महिला पेंशन। सोनिया वन स्टॉप सेंटर मैनेजर काउंसिल रविता चौहान, द्वारा प्रतिभाग किया गया। उन्होंने पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु सहयोग प्रदान किया और विस्तारपूर्वक जानकारी देकर जागरूक किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। ताकि महिलाएं अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के डायरेक्टर शिक्षक एवं शिक्षिकाए और छात्र छात्रों ने प्रतिभा किया।

नो हेलमेट नो फ्यूल के अंतर्गत चलाया गया जागरूकता अभियान

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के 'नो हेलमेट, नो फ्यूल' अभियान के तहत बहजोई के इस्लामनगर चौराहे पर पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बिना हेलमेट मोटरसाइकिल चलाने वालों को रोका गया और उन्हें हेलमेट पहनने की अनिवार्यता व महत्व बताया गया। यातायात उपनिरीक्षक सुरेश कुमार ने चालकों से अपील की कि वे स्वयं हेलमेट पहनें और अपने परिवार, रिश्तेदारों व गांव वालों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

उन्होंने कहा, हेलमेट आपकी जान बचाने का सबसे आसान तरीका है।" यह अभियान हेलमेट को अनिवार्य बनाने और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों तथा यातायात पुलिस ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। पेट्रोल पंप संचालकों को बिना हेलमेट वाहन चालकों को ईंधन न देने के निर्देश दिए गए हैं। एसपी ने जनता से इस अभियान में सहयोग करने और सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की। यह पहल न केवल नियमों का पालन करवाने, बल्कि लोगों को जागरूक कर सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार, 6 मोबाइल फोन और 6830 रुपये नकद बरामद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराध पर नियंत्रण के लिए रजपुरा थाना पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अवधेश कुमार पुत्र कुंवरपाल और राजा पुत्र बुंदू, दोनों निवासी मोहल्ला दर्जी, कस्बा व थाना रजपुरा, जनपद संभल, को चोरी के 6 मोबाइल फोन और 6830 रुपये नकद के साथ धर दबोचा। इस मामले में थाना रजपुरा में मुकदमा दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने 29-30 अगस्त की रात को कस्बा रजपुरा की सैमरी रोड पर एक मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान का ताला तोड़कर चोरी की थी। इस चोरी

में उन्हें 1800 रुपये नकद, 3 आईफोन और 3 एंड्रॉइड फोन मिले थे, जिन्हें दोनों ने आपस में बराबर-बराबर बांट लिया। चुराए गए 1800 रुपये उन्होंने व्यक्तिगत खर्चों में उड़ा दिए। इसी रात आरोपियों ने कस्बा रजपुरा में रामलीला ग्राउंड के सामने दीपक खाद व बीज की दुकान का ताला तोड़कर 17,030 रुपये की नकदी चुराई थी। इस राशि में से अवधेश को 7,000 रुपये और राजा को 10,030 रुपये मिले, क्योंकि अवधेश पर राजा का कुछ पैसा पहले से उधार था। बरामद 6830 रुपये इसी चोरी का हिस्सा हैं, जबकि शेष राशि को दोनों ने खर्च कर दिया। आरोपियों ने बताया कि वे चुराए गए मोबाइल फोन बेचने की फिराक में थे, लेकिन पुलिस ने समय रहते उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बरामद सामान और नकदी के आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

दिव्यांगजन को लाभ दिलाये जाने हेतु प्रत्येक सम्पूर्ण समाधान दिवस में होंगे विशेष कैम्प आयोजित

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा संचालित समस्त योजनाओं एवं अन्य विभागों में दिव्यांगजन से सम्बन्धित योजनाओं का पात्र दिव्यांगजन को लाभ दिलाये जाने हेतु प्रत्येक सम्पूर्ण समाधान में विशेष कैम्प आयोजित होंगे, जिससे दिव्यांगजन को छोटे-छोटे कार्यो हेतु अन्य कार्यालयों में जाना एवं भटकना न पडेगा। प्रत्येक सम्पूर्ण समाधान दिवस में निम्न कार्यालयों के द्वारा कैम्प आयोजित होंगे- जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, सम्भल कार्यालय के द्वारा कैम्प में विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं जैसे- दिव्यांग पेंशन, कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण, शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना, एवं शल्य चिकित्सा आदि लाभ दिलाये जाने हेतु आवेदन कराये जायेंगे। जिला पूर्ति अधिकारी, सम्भल कार्यालय के द्वारा कैम्प में राशन कार्ड से वंचित दिव्यांगजन के राशन कार्ड हेतु आवेदन कराये जायेंगे। मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, सम्भल द्वारा कैम्प में दिव्यांगजन का स्वास्थ्य परीक्षण, दिव्यांग बोर्ड के चिकित्सक द्वारा दिव्यांगता प्रमाण-पत्र/यू.डी.आई.डी. कार्ड निर्गत किये जायेंगें तथा साथ ही साथ रेलवे रियायती प्रमाण-पत्र हेतु कार्य किया जायेगा परियोजना अधिकारी (डूडा) एवं सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय द्वारा कैम्प में पात्र दिव्यांगजन को आवास हेतु आवेदन कराये जायेंगे। जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक, सम्भल कार्यालय द्वारा कैम्प में दिव्यांगजन को रोजगार हेतु ऋण दिये जाने एवं इण्डियन पोस्ट पेमेन्ट बैंक में एन.पी.सी.आई. लिंक खाते खोले जायेंगे तथा दिव्यांगजन पूर्व चालू बैंक खातों में एन.पी.सी.आई. मैपिंग का कार्य किया जायेगा। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, सम्भल कार्यालय के द्वारा कैम्प में दिव्यांगजन के आधार बनाये तथा आधार कार्ड में संशोधन किया जायेगा। सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय द्वारा कैम्प में दिव्यांग पेंशन से वंचित पात्र दिव्यांगजन का ग्राम सभा की खुली बैठक का प्रस्ताव बनवाकार दिव्यांग पेंशन संस्तुति देंगे।जी.एम.डी.आई.सी, सम्भल कार्यालय द्वारा कैम्प में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अन्तर्गत पात्र दिव्यांगजन का आवेदन करायेंगे तथा योजना का प्रचार-प्रसार करेंगे। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि दिव्यांगजन के सशक्तीकरण और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु सभी विभागों को विशेष निर्देश दिए गए हैं, तथा जनपद स्तर पर दिव्यांगजन की समस्याओं को निरंतर मॉनिटरिंग की जाएगी, आगे जिलाधिकारी डा राजेंद्र पैंसिया द्वारा बताया गया कि समाज के इस विशेष वर्ग के लिए संवेदनशीलता और तत्परता दोनों आवश्यक है, प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी यह सुनिश्चित करें कि दिव्यांगजन सम्मानपूर्वक तथा आत्मनिर्भर जीवन निर्वाह कर सकें। शनिवार को गुन्नौर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में दिव्यांगजन हेतु कैंप लगाया जाएगा।

शिक्षक दिवस पर कुलपति पुरस्कार योजना का शुभारंभ, आवेदन से इनाम तक का पढ़िए हर अपडेट

दिल्ली। केंद्रीय संस्कृत विश्व विद्यालय में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में कुलपति पुरस्कार योजना का शुभारंभ किया गया। इस योजना के लिए पांच सितंबर से पांच अक्टूबर तक विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक संवर्ग के कर्मचारी विभिन्न श्रेणियों में आवेदन कर सकेंगे। इसके साथ ही वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना का भी औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो.श्री निवास वरखेड़ी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डा. नोदनाथ मिश्र को शिक्षा क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए शिक्षा श्री सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें 11,000 रुपये नकद, शाल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो.श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा कि डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के सम्मान में मनाए जाने वाले शिक्षक दिवस की चर्चा उनके जीवन पर प्रकाश डाले बिना अधूरी है। वे ऐसे शिक्षक थे जिन्होंने बिना किसी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति का पद संभाला। उन्होंने शिक्षक की भूमिका को राष्ट्र निर्माण से जोड़ा। उन्होंने कहा, शिक्षक केवल ज्ञान का संचारक नहीं है, बल्कि संस्कृति, मूल्य और नैतिकता का संवाहक है। आज जब ज्ञान डिजिटल हो रहा है, तब शिक्षक की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि अच्छे चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण है। संस्कृत के माध्यम से हम विश्व को भारतीय संस्कृति का संदेश दे रहे हैं। कुलपति ने अच्छे शिक्षक के गुणों पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षक को अहंकार रहित, प्रयोगशील, शिष्यों के प्रति प्रेम रखने वाला और सदैव सीखने के लिए तत्पर होना चाहिए। समारोह के दौरान दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो धनंजय जोशी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. मदन मोहन झा ने समारोह में मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में प्रो. काशीनाथ न्योपाने, निदेशक केंद्रीय योजना प्रो. मधुकेश्वर भट्ट, प्रो.पवन कुमार, प्रो.कुलदीप शर्मा सहित अनेक शिक्षक, शोध छात्र एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन साक्षी जैन, श्रेयान बैनर्जी, मेघा और गोपाल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन शिवानी शर्मा ने प्रस्तुत किया।

दिल्ली पुलिस ने 6.40 करोड़ के शेयर बाजार घोटाले में दो को दबोचा, फर्जी ऐप्स से करते थे ठगी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने शेयर बाजार घोटाले में शामिल दो प्रमुख आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर मंजीत कुमार की अगुआई और एसीपी रमेश लांबा की निगरानी में हुई इस कार्रवाई में पकड़े गए मोहम्मद आसिम अली खान और रुशिकेश जयवंत कांबले ने अंतरराज्यीय साइबर सिंडिकेट्स को अपने बैंक खाते उपलब्ध कराए, जिससे पीड़ितों के धन को कई चैनलों के जरिए हेराफेरी और मनी लॉन्ड्रिंग की गई। निवेशकों से करीब 6.40 करोड़ रुपये ठगे फर्जी आईपीओ फंडिंग और हाई रिटर्न वाले शेयर बाजार निवेश के झूठे वादों से लुभाकर इस सिंडिकेट ने निवेशकों से करीब 6.40 करोड़ रुपये ठगे। गिरफ्तार आरोपियों में एक मोहम्मद आसिम अली खान नैनीताल का रहने वाला है। वहीं, दूसरा आरोपित रिषीकेश जयवंत कांबले महाराष्ट्र के पुणे शहर का रहने वाला है। निवेश के नाम पर करते थे गुमराह जांच में दोनों ने पुलिस को बताया कि पीड़ितों को सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के जरिए संपर्क किया जाता था। फिर उन्हें फर्जी ट्रेडिंग ऐप्स जैसे सीबीसीएक्स डाउनलोड करने और निवेश समूहों में शामिल होने के लिए प्रेरित करते थे। इसके बाद लोगों को निवेश के नाम पर गुमराह किया जाता था। दोनों आरोपितों ने कमीशन के लिए बार-बार अपने बैंकिंग क्रेडेंशियल्स प्रदान किए, जबकि कई एनसीआरपी शिकायतों से जुड़े होने के बावजूद। दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे संगठित साइबर सिंडिकेट्स के लिए पेशेवर खाता प्रदाता के रूप में काम करते थे। नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस उन्होंने कई खाते खोले, जिनके चेकबुक, एटीएम कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग क्रेडेंशियल्स और सिम हैंडलर्स को सौंप दिए। उनके खाते धोखाधड़ी की रकम लेने प्रयुक्त किये गए हैं। बैकग्राउंड जांच से पुष्टि हुई कि वे पहले भी साइबर अपराध में संलिप्त रहे हैं। अब पुलिस इनसे नेटवर्क में शामिल अन्य अपराधियों का पता लगाने में जुटी है।

दिल्ली पुलिस ने निजी एयरलाइन पायलट को किया गिरफ्तार, लाइटर जैसे जासूसी कैमरे से बना रहा था महिला का वीडियो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को एक 31 वर्षीय निजी एयरलाइन पायलट को एक महिला के आपत्तिजनक वीडियो छिपे जासूसी कैमरे से रिकॉर्ड करने के आरोप में गिरफ्तार किया।दिल्ली पुलिस के बयान के अनुसार, गिरफ्तारी दक्षिण पश्चिम जिले के किशनगढ़ थाने की टीम ने की।आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के आगरा के सिविल लाइंस निवासी मोहित प्रियदर्शी के रूप में हुई है।पुलिस ने उसके कब्जे से एक लाइटर के आकार का उपकरण बरामद किया, जिसमें छिपा कैमरा लगा था। पुलिस के अनुसार, '30 अगस्त की रात को, किशनगढ़ गांव की निवासी सुश्री के ने आरोपी को शनि बाजार में उनकी सहमति के बिना रिकॉर्ड करने की कोशिश करते हुए देखा। किशनगढ़ थाने में धारा 77/78 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।' जांच के दौरान, क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई और संदिग्ध की तस्वीर प्रसारित की गई। स्थानीय खुफिया जानकारी की मदद से आरोपी को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपनी संलिप्तता कबूल की। पुलिस ने बताया, "आरोपी प्रियदर्शी अविवाहित है और एक निजी एयरलाइन में पायलट के रूप में कार्यरत है। उसने स्वीकार किया कि वह व्यक्तिगत संतुष्टि के लिए ऐसे वीडियो बना रहा था।"जांच जारी है, और आगे के विवरण की प्रतीक्षा है।

ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में धर्म गुरु व जनप्रतिनिधियो ने कि शिरकत

संभल(सब का सपना):- परम्परागत तरीके से शांति पूर्वक शहर में निकाके गए ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में जहां धर्म गुरुओं और शहर के लोगों ने शिरकत की तो वहीं जनप्रतिनिधि ने भी शामिल होकर जुलूस को भव्य बनाया ओर आशिकाने रसूल होने का सुबूत दिया। जुलूस में चलने वाले अकीदतमंदों की हौंसला अफजाई करते हुए पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब के संदेश ओर उनकी यौमे पैदाइश की सभी को मुबारकबाद पेश की। इस दौरान सांसद जियाउर्रहमान बर्क, विधायक पुत्र सुहैल इकबाल, चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष हाजी आरिफ तुर्की, कांग्रेस के संभावित विधानसभा प्रत्याशी मुशीर खां तरीन, बसपा नेता हाजी रफत उल्लाह उर्फ छिद्दा नेता, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी आंवला साजिद अली खा, सपा नेता फिरोज खा, सईद अख्तर इसराइली, चौधरी मुबशशिर, रफी खान, नाजिर खा, डॉ0 रशीक अनवर आदि रहे।

द आइकॉनिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के जलालपुर खुर्द गांव में स्थित द आइकॉनिक स्कूल में शुक्रवार को भारत के महान दार्शनिक, शिक्षाविद् और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में शिक्षक दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल परिसर को रंग-बिरंगे फूलों, गुब्बारों और बैनरों से सजाया गया, जिसने समारोह को और भी आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल के निदेशक दीपक धारीवाल ने दीप प्रज्वलन और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण के साथ की। अपने संबोधन में, दीपक धारीवाल ने बच्चों को डॉ. राधाकृष्णन के जीवन, उनके शिक्षा के प्रति समर्पण और उनके दार्शनिक विचारों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बच्चों को बताया कि कैसे डॉ. राधाकृष्णन ने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था, ताकि शिक्षकों के योगदान को सम्मानित किया जा सके। उनके इस प्रेरणादायी व्यक्तित्व ने बच्चों में शिक्षा और शिक्षकों के प्रति सम्मान की भावना को और गहरा किया। इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन पर आधारित भाषण दिए, जिनमें उनकी उपलब्धियों और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को उजागर किया गया। कुछ छात्रों ने कविताएं प्रस्तुत कीं, जो शिक्षकों के महत्व और उनके मार्गदर्शन को समर्पित थीं। इसके अलावा, नृत्य और गायन के कार्यक्रमों ने समारोह में चार चांद लगा दिए। बच्चों ने शिक्षकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके लिए हस्तनिर्मित कार्ड और उपहार भी भेंट किए। समारोह के अंत में, सभी ने मिलकर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस की खुशी में केक काटा। इस दौरान स्कूल का माहौल हर्षोल्लास और उत्साह से भरा हुआ था। स्कूल के शिक्षकों को उनके समर्पण और कठिन परिश्रम के लिए सम्मानित भी किया गया। दीपक धारीवाल ने अपने अंतिम संबोधन में बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षक न केवल ज्ञान देते हैं, बल्कि जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। यह आयोजन न केवल शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने का अवसर था, बल्कि बच्चों में नैतिक मूल्यों और शिक्षा के प्रति उत्साह जगाने का भी एक सशक्त माध्यम बना। द आइकॉनिक स्कूल का यह प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय रहा।

यमुना भूमि पर अतिक्रमण, निर्माण और गाद से बाढ़ का खतरा बढ़ा, संसदीय समिति ने जताई चिंता

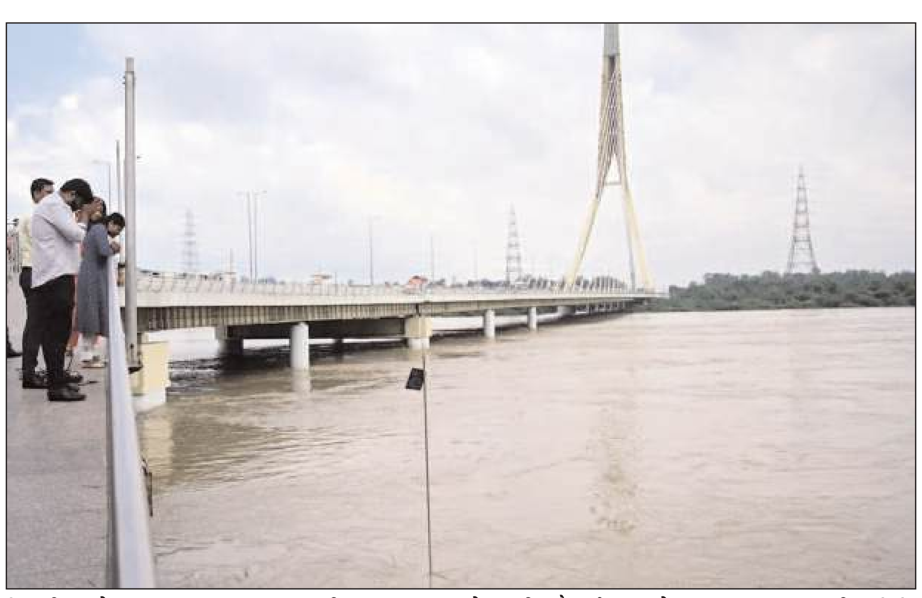

नई दिल्ली। हथनी कुंड से सितंबर, 1978 में आठ लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था दिल्ली में लोहा पुल के पास यमुना का जलस्तर 207.49 मीटर पहुंचा था। वहीं, जुलाई, 2023 में मात्र 3.59 क्यूसेक पानी छोड़े जाने से जलस्तर 208.66 मीटर और इस बार 3.29 क्यूसेक पानी छोड़ने से जलस्तर 204.88 मीटर तक पहुंच गया। इससे स्पष्ट है कि 1978 की तुलना में यमुना की जल-धारण क्षमता मात्र 50 प्रतिशत रह गई है। इसका मुख्य कारण नदी डूब क्षेत्र में अतिक्रमण व निर्माण और इसकी तलहटी पर गाद जमना है। दिल्ली सरकार सहित केंद्र सरकार द्वारा गठित समितियों की रिपोर्ट में इसे लेकर चिंता जताई गई है। इसके बाद भी समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाये गए हैं। अभी भी यमुना खादर में निर्माण कार्य के साथ ही मलबा डाला जा रहा है। केंद्रीय जल आयोग के

दिल्ली से लगभग 180 किलोमीटर दूर हरियाणा के यमुनानगर स्थित हथनी कुंड बैराज से छोड़ा जाने वाला पानी पहले की तुलना में अब कम समय में पहुंचता है। इसका मुख्य कारण नदी क्षेत्र में अतिक्रमण व गाद है। पहले नदी का पानी अधिक विस्तृत क्षेत्र से होकर गुजरता था

थी। अब बहाव क्षेत्र की चौड़ाई कम होने से इसकी गति बढ़ गई है। एक तो हथनी कुंड से छोड़ा गया पानी कम समय में पहुंच रहा है। नदी से गाद नहीं निकाले जाने से सिग्नेचर ब्रिज, आइटीओ बैराज, यमुना बैंक सहित कई स्थानों पर रेत के टीले बन गए हैं। इससे नदी का बहाव बाधित हो

इसके तल प्रबंधन स्थायी समिति की फरवरी, 2024 को संसद में प्रस्तुत की गई रिपोर्ट में भी इसे लेकर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार अवैध खनन व मलबा डालने से स्थिति खराब हो रही है। समिति का कहना था कि पांच वर्षों में हरियाणा में रेत खनन के 3792 मामले दर्ज किए गए। अत्यधिक

यमुना नदी में गाद और अतिक्रमण के कारण दिल्ली में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। 1978 की तुलना में नदी की जल-धारण क्षमता आधी रह गई है। हथिनी कुंड से पानी कम समय में पहुंच रहा है क्योंकि नदी क्षेत्र में अतिक्रमण और गाद जमा है। संसदीय समिति ने अवैध खनन और मलबा डालने पर चिंता जताई है

होता है जिससे नदी के मार्ग प्रभावित होते हैं और तट का कटाव होता है। अवैध रेत खनन को रोकने के लिए यमुना बेसिन राज्यों को समन्वय बढ़ाने के साथ ही अतिक्रमण, मलबा डंपिंग और रेत खनन पर प्रासंगिक जानकारी एकत्र करने के लिए एक पोर्टल बनाने का भी सुझाव दिया गया था। समिति ने पाया था कि यमुना में मलबा डालने के मामले बढ़े हैं। रिपोर्ट में इस समस्या को दूर करने के लिए नियम तैयार करने और लिए नियंत्रित ड्रेजिंग (मलबा व गाद निकालने के लिए खोदाई) की संभावना तलाशने के सुझाव दिए गए थे। इस दिशा में उचित कदम नहीं उठाए गए हैं। यही कारण है कि खनन व मलबा डालने की समस्या अभी भी बनी हुई है। इसे लेकर कुछ माह पहले हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की थी। उसके बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री ने अवैध खनन रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर समन्वय बढ़ाने का

अरविंद केजरीवाल आज करेंगे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा, लोगों का जानेंगे हाल

दिल्ली: दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। वह विभिन्न इलाकों में लोगों से मिलेंगे और राहत शिविरों में जाकर बाढ़ पीड़ितों से बातचीत करेंगे। केजरीवाल का यह दौरा बाढ़ से प्रभावित लोगों को सांत्वना देने और स्थिति का जायजा लेने के उद्देश्य से किया जा रहा है। बताया गया कि अरविंद केजरीवाल राहत कैंपों में भी बाढ़ से प्रभावित लोगों से मिलेंगे। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज (शुक्रवार) को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेंगे। इस दौरान केजरीवाल कई इलाकों में लोगों से मिलेंगे।

दिल्ली पुलिस ने निजी एयरलाइन पायलट को किया गिरफ्तार, लाइटर जैसे जासूसी कैमरे से बना रहा था महिला का वीडियो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को एक 31 वर्षीय निजी एयरलाइन पायलट को एक महिला के आपत्तिजनक वीडियो छिपे जासूसी कैमरे से रिकॉर्ड करने के आरोप में गिरफ्तार किया।दिल्ली पुलिस के बयान के अनुसार, गिरफ्तारी दक्षिण पश्चिम जिले के किशनगढ़ थाने की टीम ने की।आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के आगरा के सिविल लाइंस निवासी मोहित प्रियदर्शी के रूप में हुई है।पुलिस ने उसके कब्जे से एक लाइटर के आकार का उपकरण बरामद किया, जिसमें छिपा कैमरा लगा था। घटना शनि बाजार में हुई, जहां आरोपी ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता की सहमति के बिना छिपे कैमरे से वीडियो रिकॉर्ड करने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस के अनुसार, '30 अगस्त की रात को, किशनगढ़ गांव की निवासी सुश्री के ने आरोपी को शनि बाजार में उनकी सहमति के बिना रिकॉर्ड करने की कोशिश करते हुए देखा। किशनगढ़ थाने में धारा 77/78 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।'

लिफ्ट गिरने से हुआ दर्दनाक हादसा कर्मचारी के घायल होने से मचा हड़कंप

दिल्ली। बाहरी दिल्ली के समयपुर बादली थाना क्षेत्र में किचन सिंक बनाने वाली फैक्ट्री में लिफ्ट गिरने से एक कर्मचारी घायल हो गया। घायल कर्मचारी की हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने फैक्ट्री संचालक के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि यह हादसा लिफ्ट में सामान रखते समय हुआ। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दो दिन पहले ईएसआई अस्पताल के माध्यम से हादसे की सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस अस्पताल पहुंची और पूछताछ में सामने आया कि सचिन नाम एक शख्स ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। अस्पताल में उपचाराधीन व्यक्ति की पहचान भलस्वा डेयरी के रहने वाले सतेंद्र के रूप में हुई। सचिन ने बताया कि फैक्ट्री की लिफ्ट में सतेंद्र सामान रख रहा था। इसी दौरान अचानक से लिफ्ट टूटकर नीचे गिर गई। हादसे में सतेंद्र घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हादसा किचन के सिंक बनाने वाली फैक्ट्री में हुआ, पुलिस ने फैक्ट्री संचालक के खिलाफ लापरवाही व अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा नेताओं ने कांग्रेस के खिलाफ की जमकर नारेबाजी, PM मोदी की मां से जुड़ा है मामला

दिल्ली। बिहार में वोट अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री की मां के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग करने पर भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया। भाजपा के शाहदरा जिले की टीम ने शकरपुर विकास मार्ग और नवीन शाहदरा जिले के कार्यकताओं ने कांग्रेस व उनके सहयोगी संगठन के नेताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। साथ ही राहुल गांधी का पुतला फूंका। नेताओं ने कहा कि अभद्र भाषा से प्रधानमंत्री की मां का ही नहीं, महिलाओं का अपमान किया गया है। ऐसी टिप्पणियां लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करती हैं। विकास मार्ग पर शाहदरा जिलाध्यक्ष दीपक गाबा के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। गाबा ने कहा कि राजनीति में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन माताओं और बहनों के सम्मान से समझौता करना हमारी परंपरा व संस्कारों के विपरीत है। प्रधानमंत्री की मां के बारे में अपमानजनक शब्द कहना केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे समाज की भावनाओं को आहत करता है। जिला प्रभारी डा. अनिल गुप्ता ने कहा कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस राम सेतु को लेकर भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर प्रश्न चिह्न लगाया था, तो देश की सत्ता से बाहर हो गए। अब माता सीता की जन्म स्थली पर एक मां का अपमान किया है, ये बिहार की भूमि से बेदखल होंगे। कांग्रेस को टिप्पणी करने वाले नेता को पार्टी से बाहर निकालना चाहिए। प्रदर्शन में प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह, प्रदेश मंत्री सारिका जैन, जिला सह प्रभारी किशन शर्मा, विधायक डा. अनिल गोयल, अभय वर्मा, संजय गोयल, पूर्व महापौर निर्मल जैन, श्याम सुंदर अग्रवाल, जिला महामंत्री रोमेश गुप्ता, गीता शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष कैलाश जैन, जिला प्रवक्ता भारत गौड़, जोन चेयरमैन रामकिशोर शर्मा, डिप्टी चेयरमैन राजू सचदेवा, पार्षद पार्षद नीमा भगत, संदीप कपूर, प्रिया कांबोज, अलका राघव, पूर्व पार्षद अपर्णा गोयल, पूर्व पार्षद डा. वीके मोंगा, राजेश साहनी आदि शामिल हुए। वहीं, भाजपा नवीन शाहदरा जिले ने ज्योति नगर कार्यालय के पास जिलाध्यक्ष मास्टर बिनोद कुमार के नेतृत्व में प्रदर्शन किया।

कौन है हरियाणा की सुनीता ढुल, जिसे राष्ट्रपति के हाथों से मिला राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

डेस्कः हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव नसीरपुर की रहने वाली सामाजिक विज्ञान की अध्यापिका सुनीता ढुल को शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दिल्ली में शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में उन्हें यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान और समर्पण के लिए प्रदान किया गया। इस वर्ष हरियाणा से राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार पाने वाली वह एकमात्र शिक्षिका हैं। वर्तमान में वह पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मुरथल अड्डा में सेवाएं दे रही हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और सेवा भाव

सुनीता ढुल न केवल एक कुशल शिक्षिका हैं, बल्कि रेडक्रॉस की राष्ट्रीय मास्टर ट्रेनर भी हैं। उन्होंने अब तक 14,000 से अधिक बच्चों को फर्स्ट एड और जीवन रक्षक कौशल का प्रशिक्षण दिया है। साथ ही वह पिछले डेढ़ वर्ष से बच्चों के साथ मिलकर एक पेड़ मां के नाम अभियान भी चला रही हैं, जिसके तहत प्रत्येक बच्चा अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाता है।

सुनीता का संघर्षों से भरा जीवन

सुनीता का सफर कभी आसान नहीं रहा। उनके पिता राज सिंह दहिया, जो पहले आर्मी में थे और बाद में बिजली निगम में कार्यरत हुए, ने समाज की परवाह किए बिना अपनी बेटियों को पढ़ाने का फैसला लिया। जब ग्रामीण समाज ताने देता था कि बेटियों को क्यों पढ़ा रहे हो, उनके पिता का जवाब होता, बेटी भी पढ़-लिखकर बदलाव की सोच के साथ काम करेगी। सुनीता कहती हैं, "मेरे माता-पिता ही मेरी असली प्रेरणा हैं।" उनकी मां सुखदेई देवी, आज 96 वर्ष की उम्र में भी उनका हौसला बढ़ाती हैं। मां हर दिन सुबह 3 बजे उठती थीं ताकि बच्चे समय पर पढ़ाई कर सकें।

2014 में सरकारी स्कूल में मिली नियुक्ति

गांव से कॉलेज की दूरी 14 किलोमीटर थी, जिसे सुनीता साइकिल से तय करती थीं। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने ट्यूशन पढ़ाकर अपनी उच्च शिक्षा का खर्च खुद उठाया। 1996 में बीएड एंट्रेंस परीक्षा में तीसरी टॉपर रहीं। इसके बाद 1996 से 2013 तक निजी संस्थानों में शिक्षिका और प्रिंसिपल के तौर पर कार्य किया।

बस अड्डे पर सीएम फ्लाइंग का छापा, चालक-कंडक्टरों में हड़कंप, 1.47 लाख का जुमार्ना

फरीदाबाद : अवैध बस संचालन पर सख्ती दिखाते हुए सीएम फ्लाइंग की टीम ने शुक्रवार को बल्लभगढ़ बस अड्डे पर बड़ी कार्रवाई की। टीम को सूचना मिली थी कि कई निजी बसें बिना परमिट मथुरा-आगरा मार्ग पर यात्रियों को ढो रही हैं। इससे जहां सरकार को राजस्व नुकसान हो रहा था, वहीं यात्रियों की सुरक्षा भी खतरे में थी। उड़न दस्ते ने रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (RTA) की टीम के साथ संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया। चेकिंग के दौरान कई चालक और कंडक्टर सवारियां बिठाते हुए पकड़े गए। इससे चालकों और कंडक्टरों में हड़कंप मच गया।टीम की पहली कार्रवाई में 5 बसें पकड़ी गईं। चालकों के पास कोई वैध परमिट न होने पर प्रत्येक पर करीब 21 हजार रुपए का चालान किया गया, जिससे कुल 1,05,000 का जुमार्ना लगाया गया। इसके बाद 5 सितम्बर को दूसरी कार्रवाई में 2 और बसें पकड़ी गईं। दोनों पर 21-21 हजार रुपए का चालान कर कुल 42 हजार वसूला गया। दोनों कार्रवाइयों में कुल 7 बसों पर 1 लाख 47 हजार रुपए का चालान किया गया। कार्रवाई के दौरान बस अड्डे पर हड़कंप मच गया और कई चालक तुरंत बसें लेकर फरार हो गए।

कैथल में इस वजह से किया गया महिला सरपंच सस्पेंड

राजौंदः जिला कैथल प्रशासन ने नियमों के उल्लंघन पर सख्त कदम उठाते हुए राजौंद खंड के किछाना गांव की महिला सरपंच सुमन को पद से हटा दिया है। जांच में पाया गया कि सुमन ग्राम पंचायत की सरपंच होने के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग में आशा वर्कर का कार्य भी कर रही थी और दोनों पदों से मानदेय प्राप्त कर रही थी जो नियमानुसार ग्राम पंचायत वर्जित है। विभाग को शिकायत प्राप्त होते ही जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय सक्रिय हुआ। महिला सरपंच को 7 दिन का नोटिस भेजकर जवाब मांगा गया लेकिन निर्धारित अवधि में कोई जवाब नहीं मिला।

डी.डी.पी.ओ. की ओर से खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को जांच सौंपी गई। बी. डी.पी.ओ. द्वारा तैयार जांच रिपोर्ट के आधार पर जिला विकास एवं पंचायत विभाग ने सुमन को सरपंच पद से हटाने का आदेश जारी कर दिया। साथ ही खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को निर्देश दिया गया कि ग्राम पंचायत में बहुमत वाले पंच को अस्थायी रूप से कार्यभार सौंपा जाए ताकि विकास कार्य बाधित न हों। डी.डी.पी.ओ. रितु लाठर ने कहा कि शिकायत मिलने पर नियमानुसार जांच करवाई गई। आरोप सही पाए जाने और जवाब न मिलने पर विभाग ने गांव किछाना की महिला सुमन को सरपंच पद से हटाने की कार्रवाई की है।

भाजपा सरकार ने किसानों व आमजन को राम भरोसे छोड़ा, जलभराव से हालात गंभीर – डॉ अजय सिंह चौटाला

चंडीगढ़ : जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने कहा है कि भाजपा सरकार और प्रशासन की अनदेखी के कारण आज प्रदेश में खेतों, सड़कों, घरों में कई-कई फुट पानी भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस आपदा की घड़ी में भी किसान व आमजन को शासन और प्रशासन ने राम भरोसे छोड़ दिया है। वे शुक्रवार को हिसार जिले के अनेक गांवों में जलभराव क्षेत्रों के किसानों व ग्रामीणों से मुलाकात करने पहुंचे थे। डॉ. अजय सिंह चौटाला ने कहा कि कई स्थानों पर तो चार से पांच फुट पानी खड़ा है। उन्होंने कहा कि जलभराव के कारण फसलें तो बर्बाद हो ही गई है और अगली फसल के भी लाले पड़े हुए है। डॉ चौटाला ने राजली गांव में ग्रामीणों से मुलाकात की और देखा कि गांव में पानी घुस आया लेकिन प्रशासन ने पानी निकासी के अभी तक कोई प्रबंध नहीं किए है। उन्होंने कहा कि वे दर्जनभर गांवों का दौरा कर चुके हैं परंतु कहीं भी पानी निकालने के लिए प्रशासनिक अमला नहीं दिखा है। डा. चौटाला ने हैरानी जताई कि हिसार-चंडीगढ़ मार्ग पर सरसौद, बिचपड़ी गांव में हाईवे पर दो-दो, तीन-तीन फुट पानी खड़ा है परंतु शासन एवं प्रशासन द्वारा इतने दिन बीत जाने के बाद भी पानी निकालने के लिए कोई प्रयास नहीं किए जा रहे है। डॉ. अजय सिंह चौटाला ने आगे कहा कि भारी बारिश के दौरान जो जनहानि हुई है और जिनके मकान गिरे हैं, उन्हें प्राथमिकता पर तुरंत प्रभाव से सरकार मुआवजा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जलमग्न होने से प्रभावित हुए सभी पीड़ितों और किसानों को मुआवजा दिया जाए।

साथ ही साथ इन क्षेत्रों में जल जनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है, लेकिन प्रशासन व सरकार के द्वारा अभी तक ऐसे कोई भी कदम नहीं उठाए गए, जिससे बीमारियों से बचाव हो सके।

अजय चौटाला ने कहा कि कई जगहों पर तो हालात इतने नाजुक हो गए है कि ना तो शुद्ध पीने का पानी मिल पा रहा है। उन्होंने बारिश के दौरान ग्रामीणों व किसानों के हुए भारी नुकसान का तुरंत प्रभाव से मुआवजा दिए जाने की सरकार से मांग की है।

सोनीपत में यमुना का कहर, 10 हजार एकड़ फसल बर्बाद, 80 घरों में पानी घुसा

सोनीपत सोनीपत की सीमा में कई दिनों से उफान पर बह रही यमुना का जलस्तर बृहस्पतिवार को कुछ कम हुआ है, लेकिन भूमि कटाव अभी भी जारी है। जलस्तर कम होने से तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों ने राहत की सांस ली है। हालांकि अभी स्थिति सामान्य नहीं हुई है। सोनीपत में यमुना का जलस्तर कम हुआ है, लेकिन अभी स्थिति सामान्य नहीं हुई है। यमुना के साथ लगते करीब 50 गांवों में 10 हजार एकड़ से अधिक भूमि की फसल बर्बाद हो गई है। इसके कारण धान और अन्य फसलें बर्बाद हो गई है, जिससे किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। दूसरी तरफ जिला प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए रखे हुए हैं। हथिनीकुंड बैराज से यमुना में बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा था, जिसके कारण सोनीपत में हालात बिगड़ गए और यमुना के किनार बसे गांव मनोली टोंकी में करीब 80 घरों में पानी घुस गया। प्रशासन ने इन घरों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। वहीं, यमुना के बढ़े जलस्तर से प्रभावित गांव बेगा, रसूलपुर, ग्यासपुर, चंदौली, पबनेरा, मनोली टोंकी, जाजल टोंकी व अन्य में स्वास्थ्य विभाग ने जल जनित बीमारियों से बचाव के लिए शिविर लगाए हैं। डीसी सुशील सारवान ने कहा कि मनोली टोंकी में लगाए शिविर में 156 ग्रामीणों में बुखार, त्वचा रोग, आंख आना व अन्य बीमारियों के लक्षण देखे गए हैं, जिन्हें उपचार दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को इन बीमारियों से बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम गांवों में ओआरएस, मच्छरदानी व आवश्यक दवाइयां भी बांटी जा रही है।

यमुना का पानी मनोली टोंकी गांव में घुसने से स्थिति बेहद खराब है। यहां जलस्तर घटने के बाद भी लोग अपने मकान छोड़ने को तैयार नहीं हैं। इसी तरह बेगा, रसूलपुर, ग्यासपुर, चंदौली, पबनेरा, मनोली टोंकी और जाजल टोंकी सहित कई गांवों का हाल है। इसको लेकर ग्रामीणों का कहना है कि ठहरने की व्यापक व्यवस्था नहीं है। इसके कारण पानी से भरे घरों में ही रहना पड़ रहा है।

1.50 लाख की रिश्वत लेते जेई रंगे हाथ गिरफ्तार, घूसखोर अधिकारी को इस वजह से आया लालच

फरीदाबाद : फरीदाबाद राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (HSVP) सेक्टर-12 के कनिष्ठ अभियंता (JE) नरेश कुमार को 1.50 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता ने ब्यूरो को दी शिकायत में बताया था कि उसने अन्य फर्म मालिकों के साथ मिलकर फरीदाबाद में 6 शराब ठेके लिए हैं। इनमें से 3 दुकानें एचएसवीपी क्षेत्र से और बाकी निजी व्यक्तियों से किराए पर ली गई थीं। एचएसवीपी द्वारा शाहपुर जाट चौक और मलेरना गांव स्थित दुकानों को हटाने का नोटिस जारी किया गया था। इस मामले में खए नरेश कुमार ने प्रति दुकान 3 लाख रुपये की मांग की थी। शिकायतकर्ता के इनकार के बावजूद अगस्त में उसकी 2 दुकानें तोड़ी गईं। इसके बाद भी आरोपी लगातार अन्य ठेकों को न तोड़ने के बदले रिश्वत मांगता रहा और आखिर में 5 लाख रुपए में सौदा तय हुआ। सूचना मिलने पर शुक्रवार को अउइ टीम ने ठल्-2 के बाइपास पर आरोपी को 1.50 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

बाढ़ में फंसी 9 महीने की गर्भवती महिला का सफल रेस्क्यू, हेल्पलाइन पर कॉल कर मांगी थी मदद

फरीदाबाद : फरीदाबाद के गांव कबुलपुर में यमुना के बाढ़ के पानी में फंसी 9 महीने की गर्भवती महिला निशा को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। महिला अपने पति के साथ गांव के एक फार्म हाउस पर काम कर रही थी और पानी बढ़ने के कारण दोनों वहीं फंस गए थे। महिला के पति ने वीरवार देर शाम को हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर प्रशासन को सूचना दी थी कि वे बाढ़ के पानी में फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि अभी पानी कम है, लेकिन यदि बारिश जारी रही तो स्थिति गंभीर हो सकती है। नायब तहसीलदार सतबीर रावल ने बताया कि सूचना मिलते ही बचाव दल को अलर्ट पर रखा गया और रातभर संपर्क बनाए रखा गया। शुक्रवार सुबह खुद नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू टीम के सहयोग से महिला और उसके पति को सुरक्षित बाहर निकाला गया। जांच में पता चला है कि निशा और उनका पति मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं और करीब एक साल पहले ही गांव कबुलपुर में एक फार्म पर काम करने के लिए आए थे। शुरूआत में पानी कम होने की वजह से वे बाहर नहीं निकले, लेकिन जलस्तर बढ़ने के कारण वे फार्म हाउस में ही फंस गए थे। रेस्क्यू टीम ने कई घंटे की मेहनत के बाद दोनों को सुरक्षित निकालकर गांव मोहना स्थित शेल्टर होम पहुंचा दिया है। वहां उन्हें खाना, दवाइयां और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। फरीदाबाद के डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि वे स्वयं सभी जलभराव वाले क्षेत्रों पर नजर बनाए हुए हैं और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद करेगी फोगाट खाप पंचायत, इस दिन भेजी जाएगी राहत सामग्री

चरखी दादरी : लगातार बरसात और नदियों के उफान से पंजाब में आई बाढ़ से पीड़ित लोगों की सहायता के लिए फोगाट खाप भी आगे आई हैं। खाप प्रधान सुरेश फोगाट की अध्यक्षता में दादरी के स्वामी दयाल धाम पर सर्वजातीय फोगाट खाप की पंचायत में प्रत्येक गांवों में घर-घर जाकर अनाज, भूसा, नकदी सहित अन्य राहत सामग्री एकत्रित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही गांव स्तर पर कमेटियों का गठन करके एकत्रित सामान को खाप के पदाधिकारी 12 सितंबर को पंजाब में भेजेंगे। खाप प्रधान सुरेश फोगाट ने बताया कि पंजाब बड़ा भाई है और हर मुश्किल में हरियाणा का साथ दिया है। अब पंजाब में बाढ़ से बुरे हालात हैं तो उनकी मदद करना हमारा फर्ज बनता है। क्योंकि किसान आंदोलन सहित कई मुद्दों पर पंजाब ने हरियाणा का साथ दिया दिया। ऐसे में कमेटियों के माध्यम से खाप के सभी गांवों से राहत सामग्री एकत्रित की जाएगी। एकत्रित राहत सामग्री को खाप पदाधिकारी 12 सितंबर को पंजाब में भेजेंगे। वहीं गांवों में सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी लोगों को जागरूक किया जाएगा।

हरियाणा में 9 कॉलेजों को नोटिस, अब सिर्फ 7 दिन में करना होगा ये काम

पंचकूला : हरियाणा उच्चतर शिक्षा विभाग (Haryana Higher Education Department) ने राज्य के 9 सरकारी कॉलेजों पर सख्ती दिखाई है। विभाग ने उन कॉलेजों को नोटिस जारी किया है, जिन्होंने अब तक अपनी वेबसाइट का डोमेन तक नहीं खरीदा है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी कॉलेज अपनी वेबसाइट को अपडेटेड रखें ताकि छात्रों को पढ़ाई से जुड़ी आवश्यक जानकारियों के लिए किसी प्रकार की परेशानी न हो।

शिक्षा विभाग पहले ही सभी कॉलेजों के लिए वेबसाइट बनवा चुका है। निर्देश दिए गए हैं कि 8 सितंबर तक हर संस्थान अपनी वेबसाइट को पूरी तरह अपडेट करे। लेकिन 9 कॉलेज ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक प्राथमिक कार्य यानी डोमेन खरीदने की प्रक्रिया भी पूरी नहीं की। ऐसे कॉलेजों को 7 दिन का समय दिया गया है। इस अवधि में उन्हें एफ़ठएळ से डोमेन खरीदकर विभाग को सूचित करना होगा।

इन कॉलेजों को मिला है नोटिस

नोटिस पाने वाले कॉलेजों में भिवानी के 3 ईश्वरवाल, कुड़ल और खरक के राजकीय कॉलेज शामिल हैं। इसके अलावा सोनीपत के जाखौली और गन्नौर, पलवल का मैंडोली, कैथल का सेरधा, चरखी दादरी का कादमा और यमुनानगर का प्रतापनगर राजकीय कॉलेज भी सूची में हैं। विभाग ने चेतावनी दी है कि समय सीमा पूरी न करने पर जिम्मेदारी संबंधित कॉलेज की होगी और कार्रवाई भी उसी के खिलाफ होगी।

वेबसाइट अपडेट नहीं मिली तो होगी कार्रवाई

विभाग ने यह भी कहा है कि कॉलेज वेबसाइटों का निरीक्षण किसी भी समय रैंडम आधार पर किया जा सकता है। यदि उस समय वेबसाइट अपडेटेड नहीं मिली तो प्रबंधन के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को पारदर्शी और समय पर जानकारी उपलब्ध कराना है, ताकि दाखिला प्रक्रिया, परीक्षा कार्यक्रम, परिणाम या अन्य शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़ी जानकारी आसानी से ऑनलाइन देखी जा सके।

शिकायत के बाद पुलिस को देनी होगी रसीद, DGP ने दिए सख्त निर्देश

चंडीगढ़ : हरियाणा पुलिस ने शिकायत निवारण प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाने के लिए नया निर्देश जारी किया है। अब थानों और चौकियों में आने वाले प्रत्येक शिकायतकर्ता को उसकी शिकायत दर्ज होने के बाद रसीद दी जाएगी। यह निर्देश पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने दिए हैं। हरियाणा पुलिस अकादमी (HPA) मधुबन में आयोजित बैठक में पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने स्पष्ट किया कि शिकायतों पर त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि थानें और चौकियों में आने वाले हर नागरिक न्याय की उम्मीद लेकर आते है, ऐसे में उसकी समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना जाना चाहिए। डीजीपी ने थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों को केवल अधीनस्थों पर न छोड़ा जाए, बल्कि स्वयं ध्यानपूर्वक सुना जाए और तथ्यों का गहन अध्ययन कर तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शिकायत की रसीद मिलने से आमजन को यह भरोसा रहेगा कि उनकी समस्या पर पुलिस सक्रिय रूप से काम कर रही है।

105 घंटे तक चलता रहा हथिनीकुंड बैराज से पानी, साल 2023 का टूटा रिकॉर्ड

प्रभावित यमुनानगर का टापू कमालपुर

यमुनानगर : भारी बारिश के चलते यमुना नदी उफान में थी। इसके चलते 105 घंटे लगातार हथिनी कुंड बैराज के सभी 18 गेट खुले रहे और पानी लगातार यमुना में बहता रहा। फिलहाल राहत की बात यह है कि पानी एक लाख क्यूसेक से कम हुआ है। लेकिन दूसरी तरफ भूमि कटाव लगातार जारी है। यमुना के बिल्कुल किनारे सटे हुए टापू कमालपुर में स्थिति अत्यंत गंभीर है।अगर दोबारा से पहाड़ी इलाकों में वर्षा हुई और फिर से पानी आया तो सबसे ज्यादा प्रभावित यमुनानगर का टापू कमालपुर गांव होगा। जहां आबादी को खतरा पैदा हो सकता है। इसके अलावा पोबारी गांव भी यमुना के अत्यंत नजदीक है वहां भी स्थिति अच्छी नहीं है।एक सितंबर को सुबह 4:00 बजे यमुना उफान पर आई थी, जिसके बाद हथिनी कुंड बैराज के सभी गेट खोल दिए गए थे। अधिकतम 3 लाख 29 हजार क्यूसेक पानी यमुना से डिस्चार्ज हुआ। लेकिन बैराज के गेट 105 घंटे तक खुले रहे, यानी एक लाख क्यूसेक से अधिक पानी 105 घंटे तक यमुना में डिस्चार्ज होता रहा, जिससे यमुना उफान पर है और भूमि कटाव जारी है।

भारी बारिश के चलते यमुना नदी उफान में थी। इसके चलते 105 घंटे लगातार हथिनी कुंड बैराज के सभी 18 गेट खुले रहे और पानी लगातार यमुना में बहता रहा। फिलहाल राहत की बात यह है कि पानी एक लाख क्यूसेक से कम हुआ है।

हॉकी एशिया कप 2025: फाइनल में जगह बनाने के लिए चीन से भिड़ेगा भारत, करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

राजगीर (एजेंसी)। फाइनल में जगह बनाने से एक कदम दूर भारतीय पुरूष हॉकी टीम को एशिया कप 2025 में शनिवार, 6 सितंबर को सुपर 4 चरण के आखिरी मैच में आत्मविश्वास से ओतप्रोत चीन के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इससे पहले पांच बार की चैम्पियन दक्षिण कोरिया से 2-2 से ड्रॉ के बाद भारत ने दूसरे सुपर 4 मैच में मलेशिया को 4-1 से हराया। इस जीत से चीन के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले हरमनप्रीत सिंह की टीम का मनोबल बढ़ा होगा।

वहीं भारत दो मैचों में चार अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि चीन और मलेशिया के तीन अंक है। दूसरी तरफ कोरिया एक अंक लेकर फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई है। सुपर 4 चरण से शीर्ष दो टीमें फाइनल में जायेंगी और भारत के लिये एक ड्रॉ भी काफी होगा। कोरिया के खिलाफ औसत प्रदर्शन के बाद भारत ने मलेशिया के खिलाफ बेहतर खेल दिखाया हालांकि शुरूआत बहुत अच्छी नहीं रही। भारत ने शुरूआती गोल गंवा दिया लेकिन इसके बाद शानदार वापसी की।

इसके साथ ही मलेशिया पर मिली जीत के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि अभी भी यह टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं है और भारतीय खिलाड़ियों को पता है कि उनसे अपेक्षायें बहुत ज्यादा है। सवाल यह है कि वे अपेक्षाओं पर कैसे खरे उतरें और इसका जवाब भी आसान है कि बारीकियों पर ध्यान देकर अपने प्रदर्शन में और सुधार किया जाये।

बता दें कि, टूर्नामेंट में अभी तक मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद और राजिंदर सिंह ने मिडफील्ड में अच्छा खेल दिखाया है। मलेशिया के खिलाफ फॉरवर्ड पंक्ति से उनका तालमेल कमाल का था। हार्दिक ने खास तौर पर तेज ड्रिबलिंग और अकेले गेंद लेकर दौड़ते हुए कई मौके बनाये।

बरसों से भारतीय हॉकी की सेवा कर रहे मनप्रीत ने दिखा दिया कि अभी भी उनके भीतर जीत की भूख कम नहीं हुई है। उन्होंने न सिर्फ मौके बनाये बल्कि गोल के सूत्रधार भी रहे।

अभिषेक, सुखजीत सिंह और मनदीप सिंह ने आक्रमण का जिम्मा बखूबी संभाला और आगे भी इस लय को कायम रखना चाहेंगे। भारत को हालांकि सर्कल के भीतर मिले हर मौके को भुनाना होगा और इसके लिये हड़बड़ाने से बचना जरूरी है। पेनल्टी कॉर्नर कोच फुल्टोन की परेशानी का सबब होगा। अच्छी शुरूआत के बाद कप्तान हरमनप्रीत सिंह पेनल्टी कॉर्नर भुनाने में नाकाम रहे। जुगराज सिंह, संजय और अमित रोहिदास का भी यही हाल था। मलेशिया के खिलाफ छह में से एक ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल हो सका और वह भी रिबाउंड पर था। दूसरी ओर पूल चरण में भारत से 3 . 4 से

हारने के बाद से चीन ने अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया है। लिहाजा भारतीय टीम को एहतियात बरतनी होगी क्योंकि मामूली सी गलती से अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिये सीधे क्वालीफाई करने की उम्मीदों पर पानी फिर सकता है। सुपर 4 चरण के एक अन्य मैच में मलेशिया का सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

भारत/पाक: नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भिड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और चोट से उबर चुके पाकिस्तानी एथलीट अरशद नदीम इस महीने के आखिर में टोक्यो में होने वाली 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगे। नदीम के चिकित्सक असद अब्बास ने गुरुवार को बताया कि पेरिस 2024 ओलंपिक चैंपियन पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और प्रतियोगिता के लिए तैयार हैं। अब्बास ने टेलीकॉम एजेंसी को बताया, 'अरशद पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और मैंने उनके ठीक होने और प्रगति पर नजर रखी है। मुझे यकीन है कि वह नीरज और भाला फेंक स्पर्धा में भाग लेने वाले अन्य सभी एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार होंगे।' उल्लेखनीय है कि विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में आयोजित होगी। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा का क्वालिफिकेशन 17 सितंबर को और फाइनल अगले दिन होगा। जापान नेशनल स्टेडियम में नीरज चोपड़ा बनाम अरशद नदीम पेरिस 2024 के बाद उनका पहली बार आमना-सामना होगा। पेरिस 2024 के बाद से नदीम ने केवल एक बार प्रतिस्पर्धा की है, मई में कोरिया गणराज्य के गुमी में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 86.40 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में पिछले महीने डायमंड लीग जीतने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर, दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के पूर्व ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट के भी भाग लेने की उम्मीद है।

बीसीसीआई ने जर्सी प्रायोजन की राशि बढ़ायी

–400 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई होने का अनुमान

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम जर्सी के प्रायोजन की राशि बढ़ा दी है। इससे अब जर्सी का प्रायोजन करना और महंगा हो जाएगा। बीसीसीआई ने द्विपक्षीय सीरीज में जर्सी प्रायोजन के लिए प्रति मैच 3.5 करोड़ रुपए और बहुपक्षीय टूर्नामेंट के लिए प्रति मैच 1.5 करोड़ रुपए कर दिए हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, नई दरें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा स्वीकृत प्रतियोगिताओं पर लागू होंगी। ये राशि वर्तमान दरों से अधिक है। पहले द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.17 करोड़ रुपए और बहुपक्षीय मैचों के लिए 1.12 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाता था। 'ड्रीम 11 के जर्सी प्रायोजक के रूप में हटने के बाद अब बोर्ड ने प्रायोजन की राशि बढ़ायी है। बीसीसीआई को जर्सी प्रायोजन राशि बढ़ाने से 400 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई होने का अनुमान है। ये नई दरें आगामी एशिया कप के बाद से ही अमल में आयेंगी। अब बोर्ड संभावित रूप से प्रति मैच 400 करोड़ रुपए से अधिक कमा सकता है। अंतिम आंकड़ा हालांकि बोली के परिणाम के आधार पर अधिक हो सकता है। ड्रीम 11 के हटने के बाद बीसीसीआई ने मंगलवार को बोलियां आमंत्रित कीं थीं हालांकि इसमें कुह शर्तें भी रखी गयीं थीं। बोर्ड की ओर से बोलियों को लेकर ये शर्त लगायी गयी है कि समूह का ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी आदि से कोई संबंध नहीं होना चाहिये। न ही इसमें संलग्न किसी भी व्यक्ति का कंपनी में किसी भी प्रकार से निवेश होना चाहिये। भारतीय टीम अभी यूएई में 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप में बिना किसी मुख्य प्रायोजक के खेलेगी, क्योंकि बोर्ड ने बोली जमा करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर तय की है। इससे पहले केन्द्र सरकार के गेमिंग एप पर प्रतिबंध के बाद टीम के प्रयोजक ड्रीम 11 से करार समाप्त हो गया था।

रोहित शर्मा ने यो-यो टेस्ट में हासिल किए 19.4 अंक, कोहली का रिकॉर्ड टूटा

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के प्रत्येक सदस्य को यो-यो टेस्ट से गुजरना पड़ता है, जिसे पहली बार विराट कोहली के कप्तानी कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। यह एक बहु-चरणीय फिटनेस टेस्ट है जो किसी खिलाड़ी की सहनशक्ति और फिटनेस के स्तर को मापता है और BCCI ने गंभीर की निगरानी में इसे फिर से शुरू करने का फैसला किया। विराट कोहली को छोड़कर लगभग सभी भारतीय खिलाड़ी बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) पहुंचे और अपना फिटनेस टेस्ट दिया। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत के वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने 19.4 अंकों के साथ अपना फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। लेकिन क्या सच में रोहित ने 19 अंकों का आंकड़ा पार कोहली के यो-यो स्कोर को पीछे छोड़ दिया हैं?

रोहित शर्मा के 19 अंकों के आंकड़े को पार करने की सभी अफवाहें झूठी हैं, क्योंकि BCCI की सख्त नीतियां हैं और क्रिकेटरों को अपने स्कोर कहीं भी उजागर करने की अनुमति नहीं है। वास्तव में, यहां तक कि शासी निकाय (BCCI) भी अपने स्कोर किसी को नहीं बताता है। अगर कोई अपना यो-यो टेस्ट स्कोर उजागर करता है, तो खिलाड़ी को दंडित किया जाता है और उसे बाहर भी किया जा सकता है। ऐसे में यह कहना कि रोहित ने यो-यो टेस्ट में 19 अंक के आंकड़े को पार कर लिया है, यह गलत होगा क्योंकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित शर्मा, शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या और अन्य सहित लगभग सभी भारतीय क्रिकेटरों ने या तो पूरी तरह या आंशिक रूप से फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। जहां सभी भारतीय खिलाड़ियों ने बेंगलुरु में अपने टेस्ट पूरे कर लिए, विराट कोहली ने BCCI से आज्ञा लेकर लंदन में अपने परिवार के साथ टेस्ट दिया और कथित तौर पर इसे पास कर लिया है।

एशिया कप के लिए सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम दुबई पहुंची

दुबई । सूर्यकुमार यादव की कप्तान में भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए दुबई पहुंच गयी है। कप्तान सूर्यकुमार के साथ ही ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए दुबई पहुंचे थे। इस बार सारे खिलाड़ी अलग–अलग शहरों से होते हुए दुबई पहुंचे। सूर्यकुमार के अलावा ऑलराउंडर शिवम दुबे, बैटिंग कोच सितांशु कोटक, हार्दिक पंड्या पहले चरण में यहां पहुंचे। वहीं हर्षित राणा, कुलदीप यादव, रिंकू सिंह और अभिषेक शर्मा दूसरे चरण में यहां पहुंचे। इसके बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर भी दुबई एयरपोर्ट पर नजर आये। भारतीय क्रिकेट टीम यहां अपने अभियान की शुरुआत यूएई के खिलाफ 10 सितंबर से होने वाले मैच से करेगी और उसके बाद 14 सितंबर को वह दुबई में पाकिस्तान से खेलेगी। भारतीय टीम का इस टूर्नामेंट के लिए कोई कोई अभ्यास मैच नहीं रखा गया है। भारतीय टीम ने अंतिम बार कोई टी–20 मैच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले फरवरी में इंग्लैंड से खेला था। भारतीय कोच गौतम गंभीर का मानना है कि अभ्यास मैचों की जगह इंट्रा–स्क्वाड मैचों को खेलना लाभदायक रहेगा।

भारतीय टीम इस प्रकार है – सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, संजू सैमसन, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और हर्षित राणा रिजर्व खिलाड़ी - प्रसिद्ध कृष्णा, वॉशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल।

युकी भांबरी की यूएस ओपन के सेमीफाइनल में हार, फिर भी हुए मालामाल

न्यूयॉर्क । यूएस ओपन के मेन्स डबल्स सेमीफाइनल में भारत के युकी भांबरी और उनके न्यूजीलैंड साथी माइकल वीनस को ब्रिटिश जोड़ी के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। कड़े मुकाबले में ब्रिटिश जोड़ी सालिसबरी और स्कुप्स्की ने एख सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 6–7, 7–5,6–4 से जीत दर्ज कर ली और फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ ही ब्रिटिश जोड़ी ने फ्लशिंग मीडोज में हार्ड कोर्ट ग्रैंड स्लैम इवेंट के फाइनल में जगह बना ली। पहले सेट में दोनों टीमें 3–3 की बराबरी पर थीं, इसके बाद भारत और कीवी जोड़ी ने बढ़त बनाई और आखिरकार सेट को टाई–ब्रेक तक ले गई। भांबरी और वीनस ने पहला सेट टाई–ब्रेक जोरदार अंदाज में 7–2 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी भांबरी–वीनस की जोड़ी की शुरुआत अच्छी रही लेकिन सालिसबरी और स्कुप्स्की ने वापसी कर मैच को एक और टाई ब्रेक तक पहुंचाया और इस बार ब्रिटिश जोड़ी ने जीत हासिल कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक तीसरा सेट ब्रिटिश जोड़ी के नाम रहा जिन्होंने 6–4 से जीत अपने नाम की। भांबरी और वीनस ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत मार्कोस गिरोन और लर्नर टिएन को 6–0, 6–3 से हराकर की थी। दूसरे राउंड में भी उनका प्रदर्शन दमदार रहा जहां उन्होंने गोंजालो एस्कोबार और मिगुएल एंजेल रेयेस–वरेला को 6–1, 7–5 से मात दी।

भांबरी–माइकल पैसों की बरसात– फिलहाल, युकी भांबरी और माइकल वीनस को यूएस ओपन पुरुष डबल्स के सेमीफाइनल तक बेहतरीन सफर के लिए 2,50,000 अमेरिकी डॉलर यानी करीब 2.20 करोड़ रुपये की इनामी राशि मिली।

दलीप ट्रॉफी- पंत की जगह टीम इंडिया में चुने गए इस खिलाड़ी ने खेली शानदार पारी, 3 रन से चूका दोहरा शतक

नई दिल्ली । तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीसन दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में दोहरे शतक से महज 3 रन से चूक गए। साउथ जोन की ओर से खेल रहे नारायण ने नॉर्थ जोन के खिलाफ मुकाबले में 197 रन की शानदार पारी खेली। जगदीसन के प्रथम श्रेणी में शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें इंग्लैंड दौरे पर आखिरी टेस्ट मैच के लिए ऋषभ पंत की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया था। आखिरी टेस्ट से पहले पंत को पैर में चोट लग गई जिस वजह से जगदीशन भारतीय स्क्वाड में चुने गए। लेकिन उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ प्लेइंग–11 में खेलने का मौका नहीं मिला।

जगदीशन ने दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में दूसरे दिन की शुरुआत नाबाद 148 रन के स्कोर से की। उन्होंने पहले दिन अपना 11वां प्रथम श्रेणी शतक लगाया। दूसरे दिन के पहले सत्र में उन्होंने शानदार 197 रन बनाए लेकिन तीन रन से दोहरा शतक चूक गए। जगदीशन पहले ही प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दो दोहरे शतक लगा चुके है। जगदीशन ने रणजी ट्रॉफी के पिछले सीजन की 13 पारियों में 56 की औसत से 674 रन बनाए थे। जिसमें दो शतक और 5 अर्धशतक शामिल थे। पिछले सीजन ही जगदीशन ने रणजी ट्रॉफी में लगातार 200+ का स्कोर बनाया। रेलवे के खिलाफ 245* रन बनाने के बाद चंडीगढ़ के खिलाफ 321 रन का अपना व्यक्तिगत सर्वोच्च स्कोर भी बनाया। दाएं हाथ के बल्लेबाज जगदीशन का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में औसत अब 49.58 है और अगर पंत और जुरेल दोनों समय पर ठीक नहीं हो पाते हैं तो वह भारत के लिए डेब्यू भी कर सकते है।

महिला हॉकी एशिया कप 2025 : भारतीय महिला हॉकी टीम की बेहतरीन शुरुआत, थाईलैंड को 11-0 से दी पटखनी

हांग्जो (एजेंसी)। चीन के हांग्जो शहर में महिला हॉकी एशिया कप 2025 का आगाज हो गया है। इस दौरान भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने अभियान की शुरुआत थाईलैंड को 11-0 से हराकर बेहतरीन जीत के साथ की। गोन्गशु कैनाल स्पोर्ट्स पार्क हॉकी फील्ड में खेले गए इस मैच में भारत ने आक्रामक खेल दिखाते हुए थाईलैंड को एकतरफा अंदाज में हराया। भारतीय महिला टीम इस साल एफआइएच प्रो लीग के यूरोप फेज में आखिरी स्थान पर रही थी, लेकिन एशिया कप में उनसे बेहतरीन शुरुआत की।

महिला एशिया कप से पहले मैच में निचली रैंकिंग वाली थाईलैंड के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करना खिलाड़ियों के लिए अच्छा है। अनुभवी गोलकीपर सविता और ड्रैग फ्लिकर और स्टार

फारवर्ड दीपिका के चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने से भारतीय टीम कमजोर दिखाई दे रही थी। लेकिन मुमताज खान, उडिता और ब्यूटी डुंग डुंग के शानदार खेल के कारण भारतीय टीम ने एक आसान जीत अपने नाम की।

भारत ने शुरू से ही अपना दबदबा बनाए रखा और शानदार गोल दागे। मुमताज खान, इडता, ब्यूटी डुंग डुंग ने दो-दो गोल किए जबकि संगीता कुमार, नवनीत कौर, लालरेमसियामी, शर्मिला देवी और रुतुजा दादासो पिसाल ने एक-एक गोल किया। भारत ने पहले ही हाफ में 5-0 की बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे हाफ में भारत का आक्रमण और तेज हुआ और खेल खत्म होते-होते टीम इंडिया ने 11 गोल कर दिए।

भारतीय टीम पूल बी में है जहां उसके साथ जापान, थाईलैंड और सिंगापुर शामिल हैं। जबकि पूल ए में मेजबान चीन, कोरिया, मलेशिया और चीनी ताइपे शामिल हैं। ये टूर्नामेंट 5 से 14 सितंबर तक चलेगा। थाईलैंड के बाद अब भारत का सामना कल यानी 6 सितंबर को जापान के साथ और 8 सितंबर को सिंगापुर से होगा।

महिला विश्वकप के उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगी श्रेया : आईसीसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बॉलीवुड अभिनेत्री श्रेया घोषाल आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगी। महिला विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से करेंगे। विश्व कप 30 सितंबर से 2 नवंबर तक खेला जाएगा। इसमें 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। विश्व कप भारत के चार शहरों और श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा। भारत में मैच गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और मुंबई में खेला जाएगा। श्रेया भारत और श्रीलंका के बीच टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले गुवाहाटी में होने वाले उद्घाटन समारोह में अपना कार्यक्रम पेश करेंगी। घोषाल ने इस टूर्नामेंट का आधिकारिक गीत ब्रिंग इट होम भी रिकॉर्ड किया है। गौरतलब है कि विश्व कप का पहला मुकाबला 30 सितंबर को भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी में खेला जाएगा। इस इवेंट के लिए टिकटों की ब्रिकी भी शुरु हो गयी है। इस साल इस आईसीसी वैश्विक आयोजन के लिए टिकटों की कीमतें काफी कम रखी गयी हैं। भारत में सभी लीग मैचों के टिकटों की कीमत पहले चरण में केवल 100 रुपये है। आईसीसी ने कहा कि कम कीमत रखने का कारण स्टेडियम में लोगों की भीड़ खींचना है। महिला क्रिकेट वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रहा है और कम कीमत से इसकी ओर रुझान बढ़ेगा।

मेसी के घरेलू मैदान पर डबल से अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को हराया

ब्यूनस आयर्स । लियोनेल मेसी ने अपने आखिरी घरेलू विश्व कप क्वालीफायर में दो गोल दागे जिससे अर्जेंटीना ने गुरुवार को वेनेजुएला पर 3–0 से जीत हासिल की। 8 बार के बैलन डी' ओर विजेता मेसी, जो वार्मअप के दौरान भावुक हो गए थे, ने 39वें मिनट में जूलियन अल्वारेज के काउंटरअटैक क्रॉस पर गोलकीपर राफेल रोमो के ऊपर से शॉट मारकर मेजबान टीम को बढ़त दिला दी। स्थानापन्न लुटारो मार्टिनेज ने निको गोंजालेज के बाएं बाईलाइन से कट–बैक के बाद डाइविंग हेडर से बढ़त दोगुनी कर दी। मेसी ने थियागो अल्माडा के साथ मिलकर 12 गज की दूरी से साइड–फुटिंग गोल करके स्कोर 3–0 कर दिया। 38 वर्षीय अर्जेंटीना के कप्तान ने 89वें मिनट में रोमो के ऊपर से गेंद को चिप करके अपनी हैट्रिक पक्की कर ली थी, लेकिन उन्हें ऑफसाइड करार दे दिया गया। मेसी, जिन्होंने पिछले हफ़्ते कहा था कि यह क्वालीफ़ाइंग अभियान लगभग उनका आखिरी अभियान होगा, को अंतिम मिनटों में 80,000 से ज्यादा प्रशंसकों ने उनका नाम लेकर सलाम किया। एस्टाडियो मोनुमेंटल में हुए इस परिणाम के साथ अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में शीर्ष पर 10 अंकों की बढ़त के साथ एक मैच का दिन शेष रहते पहुंच गया है। वेनेज़ुएला, जो अपने पहले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश में है, 10 टीमों की तालिका में सातवें स्थान पर बना हुआ है, जिससे उसे प्लेऑफ में जगह मिल जाएगी। अगले मंगलवार को होने वाले क्वालीफ़ायर के अंतिम दौर में, अर्जेंटीना का सामना ग्वायाकिल में इक्वाडोर से होगा, जबकि वेनेज़ुएला माटुरिन में कोलंबिया की मेजबानी करेगा।

पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा का बड़ा आरोप, कहा-कप्तान के पसंदीदा खिलाड़ियों को ही मिलता है मौका

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने बृहस्पतिवार को क्रिकेट के हर प्रारूप से संन्यास ले लिया और उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान दो अलग दौर का सामना किया। पहला दौर महान स्पिनर अनिल कुंबले की जगह लेने के साथ उनसे की जाने वाली अपेक्षाओं के भारी दबाव से निपटने में बीता तो दूसरा दौर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के आने से हुई प्रतिस्पर्धा से निपटने का रहा। इसमें से ऑफ स्पिनर अश्विन जहां महेंद्र सिंह धोनी की योजना का हिस्सा रहे तो वहीं जडेजा विराट कोहली की रणनीति के अनुकूल रहे। लेकिन लेग ब्रेक गेंदबाजी करने वाले और शानदार गुगली फेंकने वाले मिश्रा को अश्विन और जडेजा के साथ तीसरे विकल्प के रूप में काफी कम इस्तेमाल किया जाता।

प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद एक विशेष साक्षात्कार में मिश्रा ने कहा,

'यह बहुत निराशाजनक था। कभी आप टीम में होते हैं, कभी बाहर। कभी आपको प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता है, कभी नहीं। बेशक, यह निराशाजनक है, और इसमें कोई शक नहीं कि मैं कई बार निराश हुआ।' उन्होंने कहा, 'लेकिन फिर आपको याद आता है कि आपका सपना भारत के लिए क्रिकेट खेलना है। आप राष्ट्रीय टीम के साथ हैं, और लाखों लोग वहां पहुंचने के लिए इतनी मेहनत कर रहे हैं। आप भारतीय टीम के 15 खिलाड़ियों में से एक हैं। इसलिए, मैंने सकारात्मक रहने की कोशिश की।'

प्रतिभा के बावजूद मिश्रा ने स्वीकार किया कि भारतीय टीम में अंदर-बाहर रहना मानसिक रूप से कठिन था। उन्होंने आगे कहा, 'जब भी मैं निराश होता था, मैं सोचता था कि मैं कहां सुधार कर सकता हूं। चाहे वह मेरी फिटनेस हो, बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी, मैंने हमेशा बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित किया। जब भी मुझे भारतीय टीम के लिए खेलने का मौका मिला, मैंने अच्छा प्रदर्शन किया, और मैं इससे बहुत खुश हूं। मैं कड़ी मेहनत से कभी पीछे नहीं हटा।'

मिश्रा ने कहा, 'मैं कहूंगा कि मेरे लिए सबसे निर्णायक क्षण 2008 के IPL में ली गई हैट्रिक थी, जहां मैंने मैच में 5 विकेट भी लिए थे। उसके बाद मैंने भारतीय टीम में वापसी की। उससे पहले, मैं घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा था, हर सीजन में 35-45 विकेट ले रहा था, लेकिन मैं राष्ट्रीय टीम में वापसी नहीं कर पाया। उस आईपीएल हैट्रिक ने मेरे लिए चीजें बदल दीं। मैंने पिछले साल सैयद मुश्ताक अली में भी अच्छा प्रदर्शन किया था और 25 विकेट लिए थे, जिससे मुझे IPL अनुबंध (दिल्ली डेयरडेविल्स) हासिल करने में मदद मिली। उस हैट्रिक के बाद मैं लगातार भारतीय टीम में वापसी करता रहा और टी-20 में मेरा करियर भी शुरू हो गया। इसलिए, 2008 में पाँच विकेट वाली वह हैट्रिक मेरे जीवन का एक निर्णायक क्षण होगी।'

मिश्रा ने विभिन्न कप्तानों द्वारा गेंदबाजों के अपने पसंदीदा चयन के बारे में अपना दृष्टिकोण रखा और यह भी कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा, 'कुछ खिलाड़ी कप्तान के पसंदीदा होते हैं। लेकिन इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। आपको बस जब भी मौका मिले खुद को साबित करना होता है। जैसा कि मैंने कहा, ये चीजें मायने नहीं रखतीं। कभी-कभी कोई खिलाड़ी जो आपसे बेहतर प्रदर्शन करता है, उसे ज्यादा पसंद किया जाता है, लेकिन जब आप अच्छा प्रदर्शन करने लगते हैं, तो सब कुछ बदल जाता है।'

उन्हें आईपीएल में विदेशी खिलाड़ियों की तुलना में भारतीय बल्लेबाजों को गेंदबाजी करना हमेशा ज्यादा चुनौतीपूर्ण लगता था। मिश्रा ने कहा, 'जब भी मैंने किसी जाने-माने भारतीय खिलाड़ी का विकेट लिया, मुझे गर्व महसूस हुआ। वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा, युवराज सिंह, गौतम गंभीर या विराट कोहली जैसे खिलाड़ी - ये ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी पल खेल का रुख बदल सकते हैं। आप अपने कौशल से किसी विदेशी खिलाड़ी को परेशान कर सकते हैं, लेकिन इन खिलाड़ियों को आप अच्छी तरह जानते हैं। जब आप उनका विकेट लेते हैं, तो आपको एक अलग, बहुत सकारात्मक एहसास होता है। मैं कहूंगा कि सभी भारतीय बल्लेबाज़ों के सामने गेंदबाज़ी करना स्पिनर के लिए मुश्किल होता है।'

सबालेंका और अनिसिमोवा के बीच होगी यूएस ओपन में खिताबी भिड़ंत

न्यूयॉर्क । शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका और उभरती हुई अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा बीच यूएस ओपन में महिला एकल वर्ग में खिताबी भिड़ंत होगी। बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने अपनी विशिष्ट दृढ़ता और मानसिक शक्ति का परिचय देते हुए एक सेट से पिछड़ने के बाद चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर तीसरी बार यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। गुरुवार रात दो घंटे तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में बेलारुस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी पेगुला को 4–6, 6–3, 6–4 से हराया। पेगुला ने न्यूयॉर्क के शोरगुल में उत्साहित दर्शकों के बीच पहला सेट जीतकर पासा पलटने की चेतावनी दी। अमेरिकी खिलाड़ी ने पेगुला ने सबालेंका की सहज गलतियों का फायदा उठाया और दो बार सर्विस ब्रेक करके 6–4 से पहला सेट अपने नाम कर लिया। इसके बाद बेलारूसी खिलाड़ी ने ऑफ–कोर्ट ब्रेक के बाद नए दृढ़ संकल्प के साथ वापसी की।

छोरियाँ चली गाँव में दिल और चुनौतियाँ जीत रही हैं कृष्णा श्रॉफ

फिटनेस आइकन और एंटरप्रेन्योर कृष्णा श्रॉफ छोरियाँ चली गाँव में शक्ति और शालीनता दोनों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के अर्थ को नए सिरे से परिभाषित कर रही हैं। यह शो जहां शारीरिक कौशल, मानसिक रणनीति और भावनात्मक मजबूती की परीक्षा लेता है, वहीं कृष्णा अपनी खासियत से सबका ध्यान खींच रही हैं — गहरी दोस्ती और फोकस प्रतिस्पर्धी भावना के बीच संतुलन बनाने की अपनी दुर्लभ क्षमता के लिए उभर कर सामने आई हैं। एरिका पैकार्ड के साथ उनका दोस्ती का रिश्ता बेहद मजबूत है, जबकि सुमुखी सुरेश (जिन्होंने निजी कारणों से शो छोड़ दिया) के साथ उनकी आपसी समझ और सम्मान, उनके स्वाभाविक जुड़ाव को दर्शाते हैं। फिर भी, कृष्णा ने इन संबंधों को कभी अपने फ़ैसलों या जीत के इरादे पर हावी नहीं होने देतीं। वह स्पष्ट सोच वाली हैं और पूरी तरह समर्पित, यह साबित करते हुए कि मजबूत रिश्ते और शानदार खेल दोनों एक साथ संभव हैं। वह जीत के लिए पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन अपनी ईमानदारी से समझौता किए बिना।

अपनों से आगे बढ़कर कृष्णा ने हर किसी के साथ सार्थक रिश्ते बनाए हैं। अंजुम फ़कीह को वह बड़ी बहन कहती हैं और हाल ही में बाहर हुई रमीत संधू के साथ भी उनके पल बेहद सच्चे और दिल से जुड़े रहे। कृष्णा एक ऐसी गर्मजोशी और समावेशिता लाती हैं जिसे नज़रअंदाज़ करना मुश्किल है। चाहे टीम टास्क हो या व्यक्तिगत चुनौती, कृष्णा दूसरों को आगे बढ़ने का मौका देती हैं, बिना किसी को अलग-थलग महसूस कराए या प्रतियोगिता को निजी बनाएं बिना।

यही समावेशी और संतुलित दृष्टिकोण है, जो उन्हें प्रतिद्वंद्वियों के बीच भी शांत प्रशंसा दिलाई है। तेज़-तर्रार माहौल के बावजूद, कृष्णा अपने व्यवहार में लगातार सम्मानजनक और जमीन से जुड़ी हुई रहती हैं — चाहे वह अनिता हसनंदानी के साथ हो, डबल धमाल सिस्टर्स सुरभि-समृद्धि की जोड़ी के साथ, या फिर डॉली जावेद और वाइल्ड कार्ड एंट्री माएरा मिश्रा के साथ। एक ऐसा शो जिसमें अक्सर ड्रामा देखने को मिलती है, वहां कृष्णा स्पष्ट सोच और चरित्र की मिसाल बनकर उभरती हैं।

दोस्ती और निष्पक्ष प्रतिद्वंद्विता, दोनों के लिए जगह बनाए रखने की उनकी क्षमता दुर्लभ है और कृष्णा इसे बिना किसी का सम्मान घटाए बखूबी निभा रही हैं। भले ही वह अपनी शारीरिक ताकत के लिए पहचानी जाती हों, लेकिन 'छोरियां चली गांव' में उनकी असली चमक उनके दबाव में भी उनका शालीन व्यवहार ही सबका ध्यान खींच रहा है।

नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक का पंजाबी फिल्म और टीवी पर राज

पंजाबी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री में आज कई ऐसे कलाकार हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक ऐसे ही दो नाम हैं जो पंजाबी सिनेमा और टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखते हैं। दोनों ने अपने अभिनय के दम पर पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री को मजबूती दी है और साथ ही दर्शकों का मनोरंजन भी किया है। पंजाबी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने में इन दोनों का योगदान काफी महत्वपूर्ण है। जहां नीरू बाजवा को पंजाबी सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिना जाता है, वहीं रुबीना दिलैक ने टीवी और फिल्मों दोनों में अपनी छाप छोड़ी है। दोनों कलाकारों ने न केवल पंजाबी फिल्मों में काम किया, बल्कि टेलीविजन पर भी अपनी अच्छी-खासी मौजूदगी दर्ज कराई है। उनकी फिल्मों और सीरियल्स ने पंजाब की संस्कृति, लोगों के जीवन और पारिवारिक रिश्तों को खूबसूरती से पेश किया है। इसी वजह से वे पंजाबी सिनेमा और टीवी की जानी-मानी हस्तियां बन चुकी हैं। नीरू बाजवा का जन्म 26 अगस्त 1980 को कनाडा के सरे शहर में हुआ था। वह एक भारतीय परिवार से ताल्लुक रखती हैं। नीरू ने अपने करियर की शुरुआत 1998 में हिंदी फिल्म मैं सोलह बरस की से की थी, लेकिन बाद में उन्होंने पंजाबी फिल्मों में ज्यादा काम किया और वहां उन्हें काफी सफलता मिली। नीरू की पंजाबी फिल्मों में जट्ट एंड जूलियट, सरदार जी, लौंग लाची, शादा जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं। उन्होंने पंजाबी सिनेमा में अपनी खास जगह बनाई और तीन बार पीटीसी पंजाबी फिल्म पुरस्कार भी जीता। पंजाबी फिल्मों में बेहतरीन अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला।

नीरू ने सिर्फ अभिनय ही नहीं किया, बल्कि पंजाबी फिल्मों के निर्देशन और प्रोडक्शन में भी हाथ आजमाया है। 2017 में उन्होंने पंजाबी फिल्म सरगी का निर्देशन किया, जो उनकी बहन रुबीना बाजवा की शानदार फिल्म थी। नीरू का योगदान सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, उन्होंने हॉलीवुड की अलौकिक थ्रिलर फिल्म इट लिव्स इनसाइड (2023) के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छवि बनाई। नीरू बाजवा ने टीवी में भी काम किया, जिसमें अस्तित्व...एक प्रेम कहानी, जीत, बंदूकें गुलाब, और हरी मिर्ची लाल मिर्ची जैसे सीरियल शामिल हैं। वह हाल ही में रिलीज हुई अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में भी नजर आईं।

रुबीना दिलैक की बात करें, तो उनका जन्म 26 नवंबर 1989 को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में हुआ। अपनी पढ़ाई

पूरी करने के बाद मॉडलिंग और अभिनय की ओर रुख किया। रुबीना ने टीवी इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की, लेकिन पंजाबी फिल्मों में अपनी पहचान बनाई। टीवी सीरियल छोटी बहू में उनके अभिनय को काफी पसंद किया गया। इसमें उन्होंने राधिका नाम की लड़की का किरदार निभाया, जो घर-घर में मशहूर हुआ। इसके बाद वह सास बिना ससुराल, शक्ति-अस्तित्व के एहसास की, पुनर्विवाह- एक नई उम्मीद, देवों के देव...महादेव, जीनी और जूजू जैसी सीरियल्स में नजर आईं। उन्होंने बिग बॉस 14, फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी 12, और झलक दिखला जा 10 सहित कई रियलिटी शो किए। वह बिग बॉस 14 की विजेता भी रहीं। उन्होंने चल भज्ज चलें जैसी पंजाबी फिल्मों में काम किया। रुबीना ने कई पुरस्कारों के लिए नामांकन हासिल किए और कई बार जीत भी हासिल की है। टीवी और फिल्मों दोनों में उनकी लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक की मेहनत और लगन ने पंजाबी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री को मजबूती दी है। दोनों पंजाबी सिनेमा और टीवी की चमकती हुई हस्तियां हैं।

कनिका मान ने दिया लूट मुबारक के लिए निमंत्रण!

पंजाबी और टीवी जगत की मशहूर अभिनेत्री कनिका मान ने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक खास पोस्ट की, जिसने उनके फैंस का जोश हाई है। ये पोस्ट उनकी आने वाली फिल्म लूट मुबारक का आधिकारिक पोस्टर है, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठाया गया है। कनिका मान ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लूट मुबारक फिल्म का पोस्टर साझा किया, जिसमें फिल्म का नाम गुरमुखी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखा हुआ है। पोस्टर में मुख्य कलाकार हरीश वर्मा और कनिका मान के नाम भी नजर आ रहे हैं। साथ ही फिल्म के निर्माता, निर्देशक और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई है। यह फिल्म 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में ड्रामा, बदला और प्यार देखने को मिलेगा।

कनिका मान ने अपने कैप्शन में लिखा है, वाहेगुरु जी! जब हमारे दिल उन लोगों के लिए दुखते हैं जो विपदा का सामना कर रहे हैं, तब हम अपनी नई फिल्म एक छोटे से संदेश के रूप में साझा करते हैं, जो बताती है कि कहानियां सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं होतीं, बल्कि वे हमें जोड़ती हैं, हमें ताकत देती हैं और दुखों को कम करने में मदद करती हैं। सोशल मीडिया पर उनके फैंस इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और आने वाली फिल्म के लिए शुभकामनाएं भी दे रहे हैं। बता दें कि कनिका हाल ही में पंजाबी फिल्म जॉम्बीलैंड में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ बिन्नू ढिल्लों, अंगीरा धर, जी खान गुरी, धनवीर सिंह और जस्सा ढिल्लों समेत कई कलाकार अहम किरदार में हैं। यह फिल्म भारत की पहली पंजाबी जॉम्बी कॉमेडी है, जिसे लेखक-निर्देशक थापर ने बनाया था। वहीं इसे नेक्स्ट लेवल प्रोडक्शंस के बैनर तले नीरज रुहिल और सुभव शर्मा द्वारा निर्मित किया गया। यह फिल्म पांच भाषाओं पंजाबी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज हुई थी।

यूएनएफपीए की ब्रांड एंबेसडर बनीं कृति सेनन

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। वो संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की ब्रांड एंबेसडर बनाई गई हैं। यह संयुक्त राष्ट्र संघ की एक संस्था है जिसका कार्य महिला, पुरुष और बच्चों के अधिकार, स्वास्थ्य और समान अवसर के साथ सुखी जीवन को बढ़ावा देना है। ब्रांड एंबेसडर बनने के बाद उन्होंने अपनी भूमिका के बारे में बात की और बताया कि कैसे अपने करियर की शुरुआत में उन्हें लैंगिक असमानता का सामना करना पड़ा। कृति सेनन ने बॉलीवुड में वेतन असमानता के बारे में भी बात की। सेनन ने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। ये बहुत बड़ा सम्मान है और उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी। मैं इसके लिए बहुत उत्सुक हूं, क्योंकि मुझे हमेशा से ये लगता था कि मैं कुछ ऐसा बदलाव ला सकूं जो मेरे दिल के करीब हो। मेरा मानना है कि लैंगिक असमानता बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। ये बहुत बड़ा मुद्दा है, फिर चाहे बात जेंडर बेस्ड वायलेंस की हो या गर्ल चाइल्ड एजुकेशन की हो। मुझे खुशी है कि मैं यूएनएफपीए के साथ मिलकर ऐसे लोगों के लिए अब कुछ कर पाऊंगी, उनका साथ दे पाऊंगी। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं अपने देश का वैश्विक स्तर पर प्रतिनिधित्व करना चाहती थी, अपनी आवाज के जरिए ऐसे मुद्दों को उठाना चाहती थी, जिससे लोगों के जीवन खुशहाल बन सकें।

मेरा उद्देश्य विवाद पैदा करना नहीं, सिर्फ सच दिखाना है

डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स जल्द रिलीज होने वाली है। रिलीज से पहले फिल्म को लेकर काफी विवाद हुआ। इसके अलावा फिल्म काफी समय से कोई ना कोई वजह से सुर्खियों में भी बनी हुई है। विवेक अग्निहोत्री फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' को लेकर बातचीत की।

द बंगाल फाइल्स का आइडिया कहां से आया?

जब हमने द कश्मीर फाइल्स बनाई थी, तब हमने सिर्फ एक फिल्म नहीं बनाई थी। हमने एक मूवमेंट शुरू किया था और उस मूवमेंट का नाम था - राइट टू ट्रुथ। हमारी टीम का मानना है कि हर भारतीय को यह हक है कि उसे सच पता चले और सच हमेशा किताबों में या अखबारों में नहीं लिखा होता। कभी-कभी सच को छिपा दिया जाता है, ताकि लोग उसे न जान सकें। द कश्मीर फाइल्स बनाने के बाद, हमने तय किया कि अगली फिल्म बंगाल पर होनी चाहिए। क्योंकि बंगाल का इतिहास बहुत गहरा और जटिल है।

द बंगाल फाइल्स में क्या दर्शक आपसे द कश्मीर फाइल्स से बेहतर की उम्मीद कर सकते हैं?

दर्शक हमेशा उम्मीद करते हैं और मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करती हूं। द बंगाल फाइल्स में मेरा किरदार बिल्कुल अलग है। यह किरदार मुझे एक नई चुनौती देता है और मुझे लगता है कि दर्शक जब इसे देखेंगे तो चौंक जाएंगे क्योंकि यह रोल पहले किए गए मेरे सभी किरदारों से बिलकुल अलग है।

जब आप द बंगाल फाइल्स बना रहे थे, तो क्या आपको लगा था कि फिर से पिछली फिल्मों जैसा विवाद होगा?

विवाद होना मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। विवाद तब होता है जब आप सच बोलते हैं। अगर मैं सिर्फ मनोरंजन की फिल्में बनाऊं, तो शायद कभी विवाद न हो। लेकिन जब आप सच्चाई पर उंगली रखते हैं, तो कई लोगों को तकलीफ होती है और वही लोग विवाद खड़ा करते हैं। लेकिन मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि मैं जानता हूं कि मेरा मकसद सिर्फ सच को सामने लाना है और मुझे लगता है कि जनता भी यही चाहती है- सच जानना। तो चाहे विवाद हो या न हो, मैं अपनी राह से पीछे नहीं हटूंगा।

आपको कभी लगता है कि विवाद आपकी फिल्मों को नुकसान पहुंचाता है?

विवाद फिल्मों को नुकसान नहीं पहुंचाते। बल्कि कभी-कभी विवाद ही लोगों को फिल्म देखने थिएटर तक खींच लाते हैं। लेकिन मेरा उद्देश्य विवाद पैदा करना नहीं है। मेरा उद्देश्य सिर्फ सच दिखाना है। अब अगर सच से विवाद होता है, तो यह समाज की जिम्मेदारी है कि वह इसका सामना करे।

विवेक आपने कहा था कि ट्रोल्स अब आपको परेशान नहीं करते। लेकिन क्या कभी उनकी बातें आपको चोट पहुंचाती हैं?

पहले पहुंचती थी। लेकिन अब मैंने समझ लिया है कि जो सच बोलता है, उसे गालियां भी मिलती हैं और अगर मैं सच की वजह से गालियां खा रहा हूं, तो यह मेरे लिए सम्मान है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की भूमिका में नजर आएंगे धनुष

साउथ एक्टर धनुष ही फिल्म कलाम: जल्द द मिसाइल मैन ऑफ इंडिया में पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक ओम राउत का मानना है कि धनुष से बेहतर इस किरदार को कोई और नहीं निभा सकता है। निर्देशक ओम राउत ने कहा... धनुष एक बेहतरीन एक्टर हैं। मुझे खुशी है कि उन्होंने यह भूमिका निभाने के लिए हामी भरी है। मैं व्यक्तिगत रूप से उन्हें बहुत मानता हूं और इस फिल्म में उनके साथ काम करने को लेकर उनसे बेहतर इस फिल्म और इस उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि किरदार को और कोई नहीं निभा सकता।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I.No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।